RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 249 , शनिवार, 24 अक्टूबर 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

डर और चुप्पी तोड़ेंगे बच्चे, जागरूकता से सुरक्षित होगा बचपन... 03

सदर अस्पताल में 62 नवनियुक्त स्वास्थ्य कर्मियों को दिया गया सेवा भावना और नेतृत्व का पाठ... 04

फिल्म 'उड़ता तीर का रोमांटिक गीत 'चन्न जारी आयुष्मान और सारा की... 07

संक्षिप्त समाचार

यूरोप का दूसरा बड़ा हथियार सप्लायर बना भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत वैश्विक हथियार निर्यातक के रूप में उभरा है। ट्रेड डेटा मॉनिटर के अनुसार, रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद भारत ने यूरोपीय देशों को 8,271 करोड़ रुपए के गोला-बारूद सप्लाई किए, जिनमें आर्टिलरी और मोर्टार शेल शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, पूर्वी और मध्य यूरोप को भारत का रक्षा निर्यात 1600 फीसदी बढ़ा है। भारत अब दक्षिण कोरिया के बाद इस क्षेत्र का दूसरा सबसे बड़ा गोला-बारूद सप्लायर है। चार साल पहले 28वें स्थान पर था। वहीं, मार्च 2026

तक भारत इजराइल को विमान, हेलीकॉप्टर और ड्रोन के पुर्जे सप्लाई करने वाला तीसरा सबसे बड़ा विदेशी आपूर्तिकर्ता बन गया, जो 2023 में नौवें स्थान पर था। **भारत के पास बड़ी डिफेंस इंडस्ट्री, यूरोप को जरूरत**-हथियारों के व्यापार पर रिसर्च करने वाली स्वीडन की संस्था सिपरी के सीनियर रिसर्चर सिमोन वेजमैन का कहना है कि यूक्रेन की जरूरतों और यूरोप की रक्षा मांगों को पूरा करने के लिए भारत से हथियार इम्पोर्ट किए जा रहे हैं। भारत के पास इसका एक विकसित रक्षा उद्योग है। वहीं, किंग्स कॉलेज लंदन में राजनीति विज्ञानी वॉल्टर लाडविग कहते हैं कि भारतीय कंपनियां ऐक्टिव हैं।

पटना से पूर्णिया का सफर सिर्फ 3 घंटे में!

पटना (एजेंसी)। बिहार के बुनियादी ढांचे को नई पहचान देने के लिए केंद्र सरकार ने ऐतिहासिक कदम उठाया है। राज्य को अपना पहला नेशनल एक्सप्रेस-वे (एनएच-9) मिलने जा रहा है, जिसका शिलान्यास 20 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। कुल 31,987 करोड़ रुपये की लागत से तैयार होने वाला ये 245 किलोमीटर लंबा 6-लेन ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे राज्य के परिवहन और व्यापार की तस्वीर बदल देगा। वर्तमान में पटना से पूर्णिया जाने में जहां 8 से 9 घंटे का लंबा समय लगता

है, वहीं इस रूट के बनने के बाद गाड़ियां 120 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ेंगी और यह दूरी केवल 3 घंटे में पूरी हो जाएगी। **31,987 करोड़ की सौगात का आगाज**- केंद्र सरकार की ओर से इस साल की शुरुआत में नेशनल एक्सप्रेस-वे घोषित किए गए एनएच-9 परियोजना का जमीनी निर्माण 12,052 करोड़ रुपये में होगा। ये मार्ग वैशाली के मीरनगर से शुरू होकर समस्तीपुर, दरभंगा, सहरसा और मधेपुरा होते हुए पूर्णिया के चंद भट्ठी तक जाएगा। ये सीधे पटना रिंग रोड से जुड़ेगा और समस्तीपुर, सहरसा और मधेपुरा के जिला मुख्यालयों को मुख्य मार्ग से जोड़ने के लिए विशेष संपर्क मार्ग बनाए जाएंगे।

देश के सबसे बड़े न्यूक्लियर प्लांट से हटाए सॉफ्टवेयर

अब नई रूसी हार्डवेयर तकनीक का किया जाएगा इस्तेमाल

10 साल में 2 बड़े साइबर अटैक हुए थे,अब बड़ा बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यूक्लियर प्लांट्स में सॉफ्टवेयर क्रैश और साइबर हमलों के खतरों से बचने के लिए भारत में नई तकनीक का इस्तेमाल शुरू किया जा रहा है। रूस में बनी यह हार्डवेयर-आधारित तकनीक फिलहाल तमिलनाडु में स्थित देश के सबसे बड़े न्यूक्लियर प्लांट में लगाई जा रही है। रूसी परमाणु ऊर्जा कंपनी रोसाटॉम ने हाल ही में कुडनकुलम परमाणु बिजली संयंत्र के लिए नई तकनीक पर आधारित सुरक्षा उपकरण के करीब 300 सेट भेजे हैं। यह आपात स्थिति में बिना माइक्रोप्रोसेसर और एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर के काम करती है। इनका मकसद सॉफ्टवेयर पर निर्भरता घटाना है, ताकि साइबर हमले या कोई गड़बड़ी होने पर भी सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित न हो।

सभी जरूरी जांच पूरी होने के बाद इन्हें यूनिट 3 और 4 की सुरक्षा व्यवस्था में शामिल किया जाएगा। कुडनकुलम की पहली दो इकाइयों के संचालन से मिले अनुभवों को ध्यान में रखकर नई इकाइयों के लिए सुरक्षा व्यवस्था तैयार की गई है। कंप्यूटर सॉफ्टवेयर व माइक्रोप्रोसेसरों में कोडिंग में बग आ जाए, ऑपरेटिंग सिस्टम क्रैश हो जाए या तकनीकी दिक्कत पर सुरक्षा सिग्नलों का प्रोसेसिंग रुकने का खतरा है। एक यूनिट में गड़बड़ी पर पूरा सेंट्रल सिस्टम एक साथ ठप हो सकता था, क्योंकि उनकी सुरक्षा प्रणालियां पूरी तरह डिजिटल कोडिंग पर निर्भर थीं।'नॉन-प्रोग्रामेबल मॉड्यूल' का इस्तेमाल किया गया है। यानी अब ये उपकरण बिना माइक्रोप्रोसेसर और बिना सॉफ्टवेयर के सीधे हार्डवेयर सर्किट के आधार पर काम करेंगे। इससे तकनीकी खराबी या सॉफ्टवेयर क्रैश की स्थिति में भी प्लांट की सुरक्षा पर कोई असर नहीं पड़ेगा। यदि रिएक्टर में तय सीमा से अधिक तापमान या दबाव बढ़ता है, तो यह सिस्टम तुरंत ऐक्टिव होकर बोरॉन इंजेक्शन पंप जैसे आपातकालीन उपकरणों को आदेश भेजता है।

यूएनएससी में पुरानी व्यवस्था से अब नहीं चल पाएगा काम

● भारत ने की तत्काल सुधार की मांग,पी-5 देशों को चेतावनी

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में तत्काल सुधार की मांग की है। भारत ने चेतावनी दी है कि 80 साल पुराना इसका ढांचा दुनिया के कुछ सबसे गंभीर संघर्षों को सुलझाने में संघर्ष कर रहा है। नई दिल्ली का कहना है कि सुरक्षा परिषद का स्वरूप आज की वैश्विक वास्तविकताओं के हिसाब से होना चाहिए। भारत का तर्क है कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बना इसका ढांचा अब अंतरराष्ट्रीय समुदाय का सही प्रतिनिधित्व नहीं करता है। समाचार एजेंसी के मुताबिक संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत हरीश पर्वथनेनी ने गुरुवार को कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध से

मिली सत्ता, सुरक्षा परिषद में उचित प्रतिनिधित्व की कमी की भरपाई नहीं कर सकती। आपको बता दें कि भारत पिछले कई वर्षों से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार की मांग करता रहा है लेकिन वीटो पावर वाले देश ऐसा होने देना नहीं चाहते हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा में समान प्रतिनिधित्व और सुरक्षा परिषद के विस्तार पर बोलते हुए भारतीय दूत पर्वथनेनी ने कहा इसके नतीजे पहले ही सामने आ रहे हैं। 80 साल बीत जाने के बाद भी यह संगठन सुरक्षा परिषद के सामने मौजूद कुछ सबसे गंभीर संघर्षों में शांति और सुलह कराने में संघर्ष कर रहा है।

पुंछ में सेना ने 7 संदिग्ध आईईडी किए बरामद

लाइट मशीन गन की मैगजीन भी मिली, जांच जारी

पुंछ (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ में सेना ने तलाशी अभियान के दौरान 7 संदिग्ध आईईडी और 7.62 मिमी लाइट मशीन गन की मैगजीन बरामद की। रक्षा सूत्रों के मुताबिक, खुफिया जानकारी मिलने के बाद 156 टेरिटोरियल आर्मी और 37 राष्ट्रीय राइफल्स ने

कासबलारी गांव के पास तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान भूरे टेप से लिपटे 6 कंटेनर, नीले टेप से लिपटा 1 कंटेनर और एक संदिग्ध मैगजीन कंटेनर मिला। इसके अलावा एक काला बैग, कॉम्बैट पाउच, पावर अडैप्टर, बिजली का स्रोत, एल्यूमिनियम कंटेनर और टिफिन भी मिला। वहीं, बारामूला में सुरक्षाबलों ने 22 अक्टूबर को 2 संदिग्ध आतंकी मददगारों को गिरफ्तार किया था। उनके पास से तुर्की में बनी कनिक पिस्टल, 10 कारतूस वाली मैगजीन और 2 आईईडी मिले थे। पिछले 60 दिनों में 18 आतंकी मददगारों को गिरफ्तार किया गया है।

एलएसी पर आमने-सामने सुरक्षा बल

● आईटीबीपी डीजी ने कहा-चीन से झड़पें अभी जारीं ● शत्रुजीत कपूर बोले-सैन्य ताकत में वह काफी आगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईटीबीपी के डीजी शत्रुजीत कपूर ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में अरुणाचल प्रदेश में चीन और भारत के सैनिक आमने-सामने आ गए थे। कई जगह टकराव की स्थिति भी बनी।

यह अभी भी जारी है। शत्रुजीत गुरुवार को राजस्थान के अलवर के सेंट्रल ट्रेनिंग कॉलेज में हिमवीर सम्मान समारोह में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि जुलाई के अंत से अरुणाचल प्रदेश में ऊपरी सुबनसिरी जिले के असाफिला और माजा इलाके में तनाव बना हुआ है। भारत ने भी सीमा पर अपनी तैनाती बढ़ा दी है। आईटीबीपी के डीजी ने कहा कि जुलाई से अब तक दोनों देशों के

बीच तीन उच्चस्तरीय बैठकें हुईं, लेकिन तनाव बरकरार रहा। इसी बीच सितंबर में 18वां ब्रिक्स सम्मेलन भी हुआ, जिसमें हिस्सा लेने के लिए चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग भारत आए थे। शत्रुजीत ने कहा कि ड्रोन ने पारंपरिक युद्ध का तरीका काफी बदल दिया है। आईटीबीपी ड्रोन बनाने और एंटी-ड्रोन क्षमता मजबूत करने पर काम कर रही है। उन्होंने यह भी बताया कि एलएसी के पास अपने संसाधनों की सुरक्षा के लिए आईटीबीपी भूमिगत शेल्टर बना रहा है।

कांग्रेस ने चुप रहने का आरोप लगाया

कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने सरकार पर इन टकरावों पर चुप रहने का आरोप लगाया। उन्होंने एक्स पर लिखा, ' 19 जून 2020 को प्रधानमंत्री की चीन को दी गई बदनाम क्लीन चिट की कीमत भारत चुका रहा है।' उन्होंने आगे कहा, 'जब खुद को विश्वगुरु कहने वाले प्रधानमंत्री की चीन को लेकर सोची-समझी रियायतें जारी हैं, तब आईटीबीपी ने अरुणाचल प्रदेश में एलएसी के साथ हालिया फेसऑफ में बल के प्रदर्शन की सराहना की है।' कांग्रेस सांसद जेबी माथेर ने भी केंद्र सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि आईटीबीपी के महानिदेशक के मुताबिक, ये घटनाएं जुलाई से हो रही हैं, लेकिन देश को इसकी जानकारी अक्टूबर में मिली। पीएम और गृह मंत्री ने इस पर कोई बयान नहीं दिया है।

पीएम ने स्वामी चिन्मयानंद के होलोग्राम से की बात

चिन्मय मिशन के 75 साल पूरे,दुनियाभर में 350 से ज्यादा सेंटर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी शुक्रवार को दिल्ली के भारत मंडपम में चिन्मय अमृत महोत्सव के कार्यक्रम में पहुंचे। यहां उन्होंने स्वामी चिन्मयानंद के होलोग्राम से बात की। स्वामीजी का निधन 3 अगस्त 1993 में हुआ था। स्वामीजी के होलोग्राम ने कहा कि आपसे मेरी मुलाकात पहली बार फरवरी 1993 में हुई थी। आप मुझे शिकागो में विश्व धर्म संसद के शताब्दी कार्यक्रम में आमंत्रित करने आए थे। मोदी ने जवाब दिया कि मैं खुशनसीब हूं कि फिर मुझे आपके दर्शन का सौभाग्य मिला। होलोग्राम एक ऐसी 3 डी तकनीक है, जिसमें किसी व्यक्ति या वस्तु की तस्वीर असली जैसी दिखाई देती है।

नई शिक्षा नीति में संस्कृति के साथ टेक्नोलॉजी सिखा रहे

2015 में मुझे स्वामी जी की स्मृति में एक सिक्का जारी करने का मौका मिला था। मैंने कहा था कि स्वामी जी का जीवन एक प्रतीक है। उनके गुरु ने उन्हें आशीर्वाद दिया था- गो, रोर लाइक अ लॉयन यानी जाओ, शेर की तरह दहाड़ो। अब चिन्मय मिशन का अमृत महोत्सव भी भारत के अमृत काल से जुड़ रहा है। ये भारत के संकल्प की असली ताकत है। हमारे वेदों में लिखा है- राष्ट्र का हित चाहने वाले हम लोग राष्ट्र को महान बनाएं। स्वामी जी ने गीता ज्ञान के अभियान की शुरुआत की। आज इसी का परिणाम है कि लाखों युवा भारत के सांस्कृतिक ब्रांड एंबेसडर का काम कर रहे हैं।

मोदी ने कहा- देश ऋषियों-राष्ट्रभक्तों की राह पर

मोदी ने कहा- जब भारत अपनी आजादी के 100 साल पूरे करेगा, जब चिन्मय मिशन भी 100 साल पूरे करेगा। यानी विकसित भारत और चिन्मय मिशन का रास्ता एक है। एक समय भारत से बहुत सी मूर्तियां चोरी कर विदेश ले जाई गईं। हम पिछले 12 साल में ऐसी 600 मूर्तियां वापस लाए हैं। देश अब उस राह पर आगे बढ़ रहा है, जिसका सपना हमारे ऋषियों और राष्ट्रभक्तों ने देखा था। अब चिन्मय मिशन का अमृत महोत्सव भी भारत के अमृत काल से जुड़ रहा है। हमारे वेदों में लिखा है- राष्ट्र का हित चाहने वाले हम लोग राष्ट्र को महान बनाएं। बीते दशकों में समय बदला है। देश के सामने नई चुनौतियां पैदा हुई हैं। आज उसके समाधान का काम हम सबके सामने है।

बिहार -सिवान की पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट,पति-पत्नी समेत 7 की मौत, डेढ़ घंटे तक होते रहे धमाके

पटना(सिवान) (एजेंसी)। बिहार के सिवान जिले में शुक्रवार को पटाखों में आग लगने से एक मकान में भीषण विस्फोट हो गया। जामो थाना क्षेत्र के आलमपुर गांव में हुई इस घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच

गई थी।स्थानीय लोगों के अनुसार, हादसे में करीब सात लोगों की मौत की सूचना है। हालांकि, मृतकों की संख्या और उनकी पहचान की आधिकारिक पुष्टि की प्रतीक्षा है। विस्फोट इतना तेज था कि मकान के अगले हिस्से का मलबा सड़क पर जा गिरा।

दो घंटे तक रह-रहकर होते रहे धमाके-जानकारी के अनुसार, आलमपुर निवासी मो. अमीरुद्दीन मियां के मकान में पटाखे रखे हुए थे। उन्हें पटाखों का कारोबारी बताया जा रहा है। बताया जाता है कि मकान में कई लोग मौजूद थे, तभी पटाखों में आग लग गई। इसके बाद आग ने वहां रखे अन्य पटाखों को भी अपनी चपेट में ले लिया और लगातार विस्फोट होने लगे। करीब दो घंटे तक रह-रहकर धमाकों की आवाज सुनाई देती रही।

मकान का अगला हिस्सा ढहा, सड़क पर बिखरा मलबा-विस्फोट की तीव्रता इतनी अधिक थी कि मकान का अगला हिस्सा ढहकर सड़क पर गिर गया था। घटना के बाद आसपास के इलाके में दहशत फैल गई थी।

अमिताभ-दिलजीत को धमकी मुंबई मेयर को आया ईमेल

लिखा-एक्टर का बंगला उड़ाएंगे,सिंगर पर आत्मघाती हमले की प्लानिंग

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई की मेयर को शुक्रवार को एक धमकी भरा ईमेल मिला है। ईमेल में मेयर के कार्यालय को निशाना बनाने की धमकी दी गई है। इसके अलावा, बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन और पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ के मुंबई में होने वाले इंडिया टूर कार्यक्रम और को भी निशाना बनाने की धमकी दी गई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। मुंबई मेयर रितु तावड़े को भेजे गए धमकी भरे ईमेल में अमिताभ बच्चन के जलसा बंगले पर बम हमले की धमकी दी गई है। भेजने वाले का दावा है कि यह हमला 1984 के ऑपरेशन ब्लू स्टार का बदला होगा।

अमिताभ बच्चन के पैर छूने पर दिलजीत को धमकी

वहीं, मेल में दिलजीत को निशाना बनाने की वजह उनके द्वारा अमिताभ बच्चन के पैर छूना बताया गया है। मेल में लिखा है कि 27 नवंबर को दिलजीत को महालक्ष्मी रेस कोर्स में बम और आत्मघाती हमले में मारना है। जिसने सिखों की नस्लकुशी करने वाले बच्चन के पैर छुए थे। धमकी भरा ईमेल मिलने के बाद मुंबई पुलिस, पुलिस की डॉग स्क्वॉड और बम स्क्वॉड की टीमें बीएमसी मुख्यालय पहुंचीं। जांच टीमों ने अलग-अलग कमरों में जाकर जांच की। मेयर और डिप्टी मेयर कार्यालय सहित विभिन्न चैंबरों की भी तलाशी ली।

बड़े स्तर पर वाल्मीकि जयंती

● यूपी के हर जिले में होगा रामायण पाठ, चुनाव से पहले अबकी सरकार की बड़ी तैयारी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार इस बार वाल्मीकि जयंती कहीं अधिक व्यापक स्तर पर मनाने की तैयारी कर रही है। वाल्मीकि जयंती 26 अक्टूबर को है। योगी सरकार महर्षि वाल्मीकि की जयंती आस्था और भारतीय सांस्कृतिक विरासत के व्यापक उत्सव के रूप में मनाने वाली है। इस मौके पर सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर राज्य के सभी 75 जिलों में स्थित सैकड़ों महर्षि वाल्मीकि मंदिरों और रामायण से जुड़े प्रमुख स्थलों पर कार्यक्रम होंगे। इन स्थलों पर दीपदान, रामायण पाठ, भजन और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। वाल्मीकि जयंती पर होने वाले इन आयोजनों के जरिए आदि कवि महर्षि वाल्मीकि की कालजयी रचना रामायण में निहित सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय मूल्यों को आम जन तक पहुंचाने की तैयारी की गई है।

इस मौके पर वाल्मीकि की तपोस्थली चित्रकूट में बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। हमेशा की तरह इस बार भी योगी सरकार इस मौके पर स्थानीय कलाकारों को प्रदर्शन के लिए आध्यात्मिक मंच देगी।

सभी मंदिरों में दीपदान सहित कई कार्यक्रम होंगे- उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों में वाल्मीकि जयंती पर सभी मंदिरों और महर्षि वाल्मीकि से संबंधित स्थलों पर दीप प्रज्ज्वलन, दीपदान के अलावा रामायण पाठ होगा। यह कार्यक्रम जिला, तहसील और विकासखंड स्तर पर होंगे। इस अवसर पर हर आयोजन स्थल पर सफाई, पेयजल, ध्वनि, प्रकाश और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जानमे के निर्देश सीएम योगी ने दिए हैं। इस अवसर पर पूजन, हवन, लवकुश प्रसंग सहित अन्य कई कार्यक्रम होंगे।

वाल्मीकि की तपोस्थली में होगी रामलीला

चित्रकूट के क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी डीके शर्मा के अनुसार, महर्षि वाल्मीकि की तपोस्थली लालापुर में जिला प्रशासन की ओर से बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यहां रामलीला का मंचन, वाल्मीकि रामायण का पाठ, भजन संध्या और स्थानीय कलाकारों की ओर से भजन की प्रस्तुति दी जाएगी। नदी के घाट पर वाल्मीकि आरती भी होगी। इसमें हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने की आशा है। योगी सरकार इन कार्यक्रमों में स्थानीय कलाकारों को आध्यात्मिक मंच उपलब्ध कराएगी। इसके लिए जिलाधिकारियों की अध्यक्षता में गठित समितियो की ओर से जनपद में चयनित मंदिरों व स्थलों पर कार्यक्रम के लिए कलाकारों का चयन हो गया है।

8 से 24 घंटे तक वाल्मीकि रामायण का पाठ होगा

यूपी के संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण भारतीय साहित्य और संस्कृति की महत्वपूर्ण कृति है। इसमें वर्णित अनेक स्थलों को राम-जानकी मार्ग और राम वन गमन मार्ग के रूप में जाना जाता है। देशभर में ऐसे करीब 280 स्थल हैं, जिनमें उत्तर प्रदेश के भी कई महत्वपूर्ण स्थान शामिल हैं। उन्होंने बताया इन स्थलों पर 8, 12 या 24 घंटे तक अनवरत वाल्मीकि रामायण पाठ कराने की व्यवस्था की जाएगी। इसके साथ ही श्रीराम, हनुमान और रामायण से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण मंदिरों में भी भजन और सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। उन्होंने बताया पिछले साल प्रदेश के 600 से ज्यादा मंदिरों में यह कार्यक्रम हुए थे।

संक्षिप्त समाचार

वैशाली के 48 केंद्रों पर वोटिंग,38,089 मतदाता डाल रहे वोट, 16 जोनल और 5 सुपर जोनल दंडाधिकारी तैनात

हाजीपुर। बिहार में विधान परिषद की 8 सीटों पर आज शुक्रवार को चुनाव है। सुबह 8 से शाम 4 बजे तक 933 बूथों पर 5.33 लाख वोटर्स वोट देंगे। चुनाव में 4 स्नातक और 4 शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों की सीटों पर कुल 150 उम्मीदवार मैदान में हैं। इनमें स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों से 90 और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों से 60 प्रत्याशी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। स्नातक निर्वाचन क्षेत्रः पटना, दरभंगा, तिरहुत और कोसी की चार सीटों पर कुल 4,92,594 मतदाता हैं। इनके लिए 598 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। तिरहुत स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में 1.43 लाख से अधिक मतदाता हैं, जबकि पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में 87,583 मतदाता हैं। शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रः पटना, दरभंगा, तिरहुत और सारण की चार सीटों पर कुल 40,253 मतदाता हैं। इनके लिए 335 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। पटना शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में 11,719 मतदाता हैं, जबकि तिरहुत शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में 8,760 मतदाता हैं। इस तरह स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाताओं की संख्या शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों की तुलना में काफी अधिक है। हालांकि, दोनों लिस्ट में मतदाताओं की पात्रता और मतदान की प्रक्रिया अलग-अलग है। तिरहुत स्नातक और तिरहुत शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की दो सीटों पर कुल 1,52,748 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर रहे हैं। तिरहुत स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में कुल 1,43,988 मतदाता हैं। इनमें 97,998 पुरुष, 45,970 महिला और 20 थर्ड जेंडर के मतदाता शामिल हैं। इस सीट के लिए 145 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में वही मतदाता वोट डाल सकेंगे, जिनका नाम संबंधित मतदाता सूची में दर्ज है। तिरहुत शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में कुल 8,760 मतदाता हैं। इनमें 6,507 पुरुष, 2,250 महिला और 3 तृतीय लिंग के मतदाता शामिल हैं। इस सीट के लिए 58 मतदान केंद्र निर्धारित किए गए हैं। शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव में भी केवल मतदाता सूची में दर्ज पात्र शिक्षक ही मतदान कर सकेंगे। तिरहुत स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में मुजफ्फरपुर, वैशाली, सीतामढ़ी और शिवहर जिले शामिल हैं। इन जिलों में संबंधित निर्वाचन क्षेत्र की मतदाता सूची के अनुसार मतदान कराया जा रहा। वैशाली के 48 वोटिंग सेंटरों पर कुल 38,089 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर रहे हैं। जिले में स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के लिए 32 और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के लिए 16 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में 35,257 मतदाता पंजीकृत हैं, जबकि शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में 2,832 मतदाता हैं। इस तरह दोनों निर्वाचन क्षेत्रों को मिलाकर कुल 38,089 मतदाता वोट डाल रहे हैं। मतदान के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिले में 16 जोनल और 5 सुपर जोनल दंडाधिकारी नियुक्त किए गए हैं। सभी मतदान केंद्रों पर आवश्यक पुलिस बल की तैनाती की गई है। जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन ने शांतिपूर्ण एवं भयमुक्त माहौल में मतदान कराने के लिए सुरक्षा के इंतजाम किए हैं।

छोटू सिंह डिटेन, अनंत सिंह ने वीडियो कॉल पर की बात, नीरज के विरोध में जदयू विधायक

पटना। बिहार विधान परिषद की 8 सीटों के लिए वोटिंग जारी है। 4 स्नातक और 4 शिक्षक सीट के लिए कुल 150 प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं। शाम 4 बजे तक 5,32,847 मतदाता वोट करेंगे। पटना स्नातक और पटना शिक्षक सीट पर चुनाव के तहत वोटिंग जारी है। यहां अनंत सिंह और नीरज कुमार के टकराव ने पटना स्नातक सीट पर चुनाव को दिलचस्प बना दिया है। खुद को नीतीश कुमार के हनुमान बताने वाले छोटू सिंह को पुलिस ने डिटेन किया है। ये वही छोटू सिंह हैं, जिन्हें जदयू से निकाल दिया गया था। डिटेन के बाद मोकामा से जदयू विधायक अनंत सिंह ने वीडियो कॉल पर छोटू सिंह से बात की। वहीं, पटना के मिलर स्कूल मतदान केंद्र पर फर्जी पहचान से वोट देने पहुंचे 3 लोगों को पकड़ा गया है। आरोप है कि तीनों ने (AI) से असली पहचान पत्र पर लगी फोटो हटाकर अपनी तस्वीर लगा दी थी। बूथ पर तैनात मजिस्ट्रेट ने जांच के दौरान तीनों को पकड़ लिया। पकड़े गए लोगों की पहचान शंकर यादव, अनिल कुमार और आलोक कुमार के रूप में हुई है। शंकर यादव नेपाल का रहने वाला है। अनिल कुमार मधुबनी का निवासी है, जबकि आलोक कुमार वैशाली जिले के महुआ का रहने वाला है। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। तीनों पटना के पाटलिपुत्र स्थित प्रसूना होटल में कर्मचारी हैं। पटना स्नातक सीट से जनसुराज उम्मीदवार अनुज सिंह के समर्थक छोटू सिंह को करबिगहिया के पास से डिटेन किए जाने का मामला सामने आया है। छोटू सिंह के मुताबिक, वह अपनी गाड़ी से जा रहे थे। इसी दौरान STF और सेल की टीम ने उन्हें पकड़ लिया। फिलहाल, उन्हें जक्कनपुर थाना में रखा गया है। छोटू सिंह ने आरोप लगाया है कि उन्हें जानबूझकर पकड़ा गया है। उनका कहना है कि वह गाड़ी से जा रहे थे, तभी टीम ने उन्हें रोककर अपने साथ ले लिया। हालांकि, उन्हें किस मामले में डिटेन किया गया है, इस बारे में फिलहाल स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है।

पटना-दिल्ली के बीच चलेगी एक और वंदे भारत स्पेशल ट्रेन, 28 नवंबर तक सप्ताह में 3 दिन चलेगी

हाजीपुर। त्योहारों पर यात्रियों की भीड़ के लिए रेलवे ने पटना और नई दिल्ली के बीच एक और वंदे भारत स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला किया है। यह ट्रेन 02253/02254 नंबर से चलेगी। पूर्व मध्य रेलवे हाजीपुर के मुख्य जन संपर्क अधिकारी सरस्वती चंद ने यह जानकारी दी। गाड़ी संख्या 02254 नई दिल्ली-पटना वंदे भारत स्पेशल 22 अक्टूबर से 26 नवंबर, 2026 तक हर गुरुवार, रविवार और मंगलवार को नई दिल्ली से सुबह 08:35 बजे रवाना होगी। यह अलीगढ़, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज, पं. दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर और आरा होते हुए रात 09:30 बजे पटना जंक्शन पहुंचेगी। वापसी में, गाड़ी संख्या 02253 पटना-नई दिल्ली वंदे भारत स्पेशल पटना से 24 अक्टूबर से 28 नवंबर, 2026 तक हर शनिवार, सोमवार और बुधवार को सुबह 10:00 बजे चलेगी। यह आरा, बक्सर, पं. दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, प्रयागराज, कानपुर सेंट्रल और अलीगढ़ होते हुए रात 11:30 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी। इस स्पेशल में 20 वंदे भारत कोच होंगे।

कंबल में छिपाकर रखी 210 कार्टन शराब बरामद हाजीपुर में डाक पार्सल गाड़ी से होती थी सप्लाई

हाजीपुर। हाजीपुर के बिदुपुर में पुलिस ने एक बंद गोदाम से भारी मात्रा में विदेशी शराब पकड़ी है। यह शराब कंबलों में लपेटकर रखी गई थी। पुलिस ने 210 कार्टन विदेशी शराब बरामद की, जिसकी कुल मात्रा 1,874 लीटर है। सदर एसडीपीओ सुबोध कुमार ने बताया कि तिरहुत स्नातक निर्वाचन के चलते कार्रवाई चल रही थी। गुरुवार दोपहर बिदुपुर पुलिस को कलटू चौक स्थित गोदाम में शराब स्टॉक होने की सूचना मिली, जिसके बाद टीम ने छापेमारी की। एसडीपीओ के अनुसार, गोदाम पन्ना राय के मार्केट में है, जिसे राजापाकर के बखरी निवासी पप्पू कुमार ने लीज पर लिया था। पप्पू डाक पार्सल गाड़ी से शराब मंगवाता था और खुद को कपड़े का कारोबारी बताकर बाइक से सप्लाई करता था। छापेमारी के बाद मकान मालिक और किराएदार दोनों फरार हैं। पुलिस उनकी गिरफ्तारी के लिए तलाश कर रही है। शराब की आपूर्ति और वितरण से जुड़े अन्य बिंदुओं पर भी जांच जारी है।

हाजीपुर में चलती बस से धुआं निकला, रामाशीष चौक ओवरब्रिज पर यात्रियों ने जान बचाने लगाई छलांग

हाजीपुर। बिहार के वैशाली जिले में हाजीपुर-पटना हाईवे पर एक चलती बस से अचानक धुआं निकलने लगा। यह घटना रामाशीष चौक ओवरब्रिज पर हुई। धुआं उठते ही बस में बैठे यात्रियों के बीच भगदड़ मच गई। जान बचाने के लिए कुछ यात्रियों ने बस से छलांग लगा दी। हालांकि, राहत की बात यह है कि इस घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। सूचना मिलने पर दमकल विभाग और सदर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। बस हाजीपुर से पटना जा रही थी। अभी तक धुआं निकलने की वजह साफ नहीं हो पाई है। यह तकनीकी खराबी के कारण हुआ या आग लगी थी, इसकी जांच की जा रही है। इस घटना से यात्री सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मुर्ति विसर्जन में नाच-गाने को लेकर हुई थी हत्या, 1 गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

❑ **एक नाबालिग भी धराया, निशानदेही पर हथियार-कारतूस बरामद**

पटना में 2 दिन पहले दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान एक युवक की हत्या कर दी गई थी। बदमाशों ने उसे गोली मारी थी। पुलिस ने मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया है। इसके साथ एक नाबालिग भी पकड़ाया है। पुलिस के मुताबिक वारदात नाच-गाने को लेकर विवाद के बाद हुई थी। हत्या में इस्तेमाल देसी कट्टा, 3 कारतूस भी पुलिस ने बरामद किए हैं। घटना खाजेकलां में हुई थी। मामले की जानकारी पुलिस ने पीसी में दी है।

युवक को अस्पताल ले जाया गया था, पर नहीं बची जानः मृतक की पहचान खाजेकलां के टिकिया टोली निवासी नागेंद्र ठाकुर के बेटे कंदन कुमार (22) के रूप में हुई। यह घटना 21 अक्टूबर की रात पश्चिम दरवाजा मजार के पास हुई थी। गोली लगने के बाद युवक को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर अविनाश मिश्रा उर्फ गोलू को 22 अक्टूबर को उसके घर से गिरफ्तार किया। मृतक के भाई की शिकायत पर खाजेकलां थाने में FIR दर्ज हुई थी।

नाबालिग की निशानदेही पर मिला हथियारः पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपित की निशानदेही पर चौक थाना क्षेत्र स्थित एक घर से घटना में शामिल एक नाबालिग को पकड़ा गया है। इसके बाद उसकी निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल किया गया एक अवैध देसी कट्टा और तीन जिंदा कारतूस बरामद किए गए।

पूजा कमेटी को लेकर था विवादः घटना वाले दिन पटना सिटी के डीएसपी शिव शंकर कुमार ने बताया था कि पूजा कमेटी के विवाद का मामला भी सामने आ रहा है। इस बीच कुछ लोगों ने ऑर्केस्ट्रा ट्रॉली में भी तोड़ फोड़ की, हालांकि पुलिस ने तोड़फोड़ की घटना से इनकार कर दिया था। ट्रॉली में तोड़फोड़ के बाद पिकअप वाहन को खुद डीएसपी ने चलाकर सड़क के किनारे किया था। पुलिस ने विधि व्यवस्था को सामान्य करते हुए शांतिपूर्ण तरीके से सभी मूर्तियों का विसर्जन कराया था।

युवक को पेट में मारी गोली, प्रारंभिक जांच में आपसी विवाद की बात

एजेंसी, पटना

♦ **एक आरोपी गिरफ्तार, अन्य की तलाश जारी**

पटना सिटी के आलमगंज थाना क्षेत्र की बड़ी पटन देवी पंचवटी कॉलोनी में गुरुवार देर रात आपसी विवाद में एक युवक को गोली मार दी गई। घटना में मोनू कुमार (25) गंभीर रूप से घायल हो गया। गोली उसके दाहिने पेट में लगी है। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामले में एक आरोपी को पकड़ लिया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

आपसी विवाद में गोली चलने की आशंकाः प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, पंचवटी कॉलोनी में किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इसी दौरान मोनू कुमार को गोली मार दी गई। गोली चलने की आवाज से इलाके में हड़कंप मच गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों के बीच अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पटना सिटी पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी-1 राज किशोर सिंह ने बताया कि शुरुआती जांच में मामला आपसी विवाद का लग रहा है। मोनू कुमार पटना नगर निगम में निजी वाहन चलाने का काम करता है।

CCTV फुटेज खंगाल रही पुलिसः घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी। घटनास्थल और आसपास लगे CCTV कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं, ताकि वारदात से जुड़े तथ्यों का पता लगाया जा सके। पुलिस ने एक आरोपी को पकड़कर पूछताछ शुरू कर दी है। साथ ही, घटना में शामिल अन्य लोगों की पहचान करने और उनकी गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई की जा रही है। फिलहाल, विवाद की वजह और गोली चलाने की परिस्थितियों को लेकर विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है।

सूर्य का उगना तय, चौथी बार जीत तय- नीरज कुमार

एजेंसी, पटना

बिहार विधान परिषद की पटना स्नातक सीट सबसे हॉट सीट में से एक है। जेडीयू प्रत्याशी और सीटिंग MLC नीरज कुमार ने मोकामा के परशुराम स्थान में पूजा-अर्चना के बाद अपनी जीत का दावा किया। उन्होंने कहा, 'विरोधियों के तमाम आक्रमण के बावजूद मैं न किसी को डराता हूं और न किसी से घबराता हूं। उन्होंने आगे कहा, 'हम अड़ने वाले हैं, गिरने वाले नहीं हैं, क्योंकि हम बाबा परशुराम के वंशज हैं। जैसे सूर्य का उगना तय है, वैसे ही चौथी बार NDA उम्मीदवार की जीत तय है।'

पटना स्नातक सीट पर मुकाबले के बीच जेडीयू विधायक अनंत सिंह के जन सुराज प्रत्याशी डॉ. अनुज सिंह के समर्थन ने चुनावी लड़ाई को और चर्चा में ला दिया था। अनंत सिंह अपनी ही पार्टी के प्रत्याशी नीरज कुमार के खिलाफ खुलकर प्रचार कर रहे थे। वहीं, नीरज कुमार ने भी लगातार अपने विरोधियों पर निशाना साधा था। दोनों नेताओं के बीच जुबानी जंग, नीरज कुमार की तबीयत बिगड़ने और अनंत सिंह के आरोपों ने इस चुनाव को खासा चर्चित बना दिया था।

पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से जेडीयू प्रत्याशी नीरज कुमार की तबीयत चुनाव से तीन दिन पहले बिगड़ गई थी। हार्ट की परेशानी के बाद उन्हें सोमवार देर रात मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उन्हें ICU में रखा गया था। मंगलवार शाम मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और डिप्टी सीएम विजय चौधरी उनका हालचाल जानने अस्पताल पहुंचे थे।

बिहार पुलिस ड्राइवर अभ्यर्थियों का प्रदर्शन 1200 वैकेंसी भरने की मांग, खून से लगाया ठप्पा

एजेंसी, पटना

बिहार पुलिस ड्राइवर अभ्यर्थियों को गर्दनीबाग धरना स्थल पर धरना देते हुए 45 दिन से ज्यादा हो गए हैं। आज गर्दनीबाग धरना स्थल पर उन्होंने प्रदर्शन किया। सभी अभ्यर्थियों ने थाली और चम्मच बजाकर अपना विरोध जताया। इसके साथ ही तिरंगा झंडा भी लेकर विरोध जताया। अभ्यर्थी ने अपने नाम के आगे खून से ठप्पा लगाया है। उनका कहना है कि आज अंगूठे का खून दिए हैं, अगर सीएम सम्राट चौधरी बात नहीं मानेंगे तो फिर अंगूठे की आहुति देंगे। अभ्यर्थियों का कहना है कि हमारे प्रदर्शन को 45 दिन से ज्यादा हो गए हैं, लेकिन अभी तक बिहार सरकार के कान नहीं खुले हैं। जिस तरह मोदी जी ने कोरोना काल में थाली और चम्मच बजवाया था। उसी तरह आज हम लोग भी कर रहे हैं, ताकि सरकार हमारी मांगों को सुन ले।

बिहार सरकार के कान नहीं खुले, इसलिए थाली-चम्मच पीट रहे- अभ्यर्थीः सरकार स्टूडेंट्स के बातों को नहीं सुन रही है। भर्ती प्रक्रिया में खाली रह गई 1200 से अधिक महिला सीटों को उसी श्रेणी के पुरुष अभ्यर्थियों से भरने की मांग को लेकर बिहार पुलिस ड्राइवर अभ्यर्थियों ने प्रदर्शन किया। इससे पहले भी अभ्यर्थी गर्दनीबाग में छठ पूजा किया और विरोध जता चुके हैं। पीली धोती में अभ्यर्थी ने छठ पूजा की परंपरा के अनुरूप हाथों में सूप और कलश लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया था।

रिक्त सीटों को भरने की मांगः अभ्यर्थियों की मुख्य मांग भर्ती में रिक्त रह गई 1200 से अधिक महिला सीटों को लेकर है। उनका कहना है कि यदि नियम इसकी अनुमति देते हैं, तो इन सीटों को संबंधित श्रेणी के योग्य पुरुष अभ्यर्थियों से भरने पर विचार किया जाना चाहिए। इससे सीटें रिक्त रहने से बचेंगी और भर्ती में शामिल योग्य उम्मीदवारों को मौका मिल सकेगा।

बची सीटों पर पुरुषों के लिए वैकेंसी निकालने की मांगः बिहार पुलिस से ड्राइवर भर्ती के अभ्यर्थी रंजीत ने कहा, हम लोग कई दिनों से गर्दनीबाग में धरना दे रहे हैं। घर से भी अब कहा जा रहा है कि हम लोग पढ़ाई-लिखाई नहीं कर रहे हैं, बस धरना दे रहे हैं। मगर अपने हक के लिए हम नहीं लड़ेंगे तो कौन लड़ेगा। हमारी यही मांग है कि बिहार पुलिस ड्राइवर भर्ती में जो खाली सीट है। वह महिलाओं को देने के बाद जो बचता है, उस पर हम पुरुषों के लिए वैकेंसी निकाली जाए। इसी नियम के तहत सरकार दरोगा भर्ती में सीट दे रही है, तो फिर ड्राइवर भर्ती में क्यों नहीं।

पहले पुलिस ने अभ्यर्थियों को किया था डिटेनः एक हफ्ते पहले ड्राइवर अभ्यर्थी सीएम हाउस का घेराव करने वाले थे, मगर प्रदर्शन से पहले ही पुलिस ने अभ्यर्थियों को डिटेल कर लिया था। गांधी मैदान के गेट नंबर 10 के पास जुटे अभ्यर्थियों को पुलिस ने दौड़ा-दौड़ा कर पकड़ा था। पुलिस प्रदर्शनकारियों को गांधी मैदान से भगा रही थी। कुछ लोगों को गिरफ्तार किया गया था। गांधी मैदान गेट नंबर 10 पर ही पुलिस ने बैरिकेडिंग तक कर दी थी। गांधी मैदान के अंदर बड़ी संख्या में फोर्स तैनात की गई थी।

आईपीएस भानू प्रताप की पत्नी बोलीं-घर से निकाला बेटी छीन ली, सीएम हाउस के बाहर धरना दूंगी

एजेंसी, पटना

'जब भानु प्रताप सिंह IPS अधिकारी नहीं बने थे, तब हम दोनों के बीच सब कुछ ठीक था, लेकिन साल 2021 में आईपीएस बनने के बाद उनका नेचर बदल गया। वे मुझसे तलाक लेना चाहते हैं। पति के संघर्ष के दिनों में मैंने उनका साथ दिया, लेकिन अब मुझे ही अपने वैवाहिक जीवन को बचाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। पति-ससुराल वालों ने मुझे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया और घर से निकाल दिया। 6 साल की बेटी को मुझसे दूर कर दिया। बच्ची से बात तक नहीं कराई जाती है। 30 अक्टूबर तक मेरी समस्या का समाधान नहीं हुआ या मुझे मेरी बेटी से नहीं मिलाया गया, तो मैं मुख्यमंत्री आवास के बाहर धरने पर बैठूंगी।' ये बातें खगड़िया के एसपी और 2021 बैच के आईपीएस अधिकारी भानु प्रताप सिंह की पत्नी पूजा ने कही हैं। दोनों के बीच पारिवारिक विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है।

'मां के लिए बेटी से दूर रहना बेहद पीड़ादायक'ः पूजा अपनी बेटी का जिक्र करते हुए भावुक हो गईं। उन्होंने आरोप लगाया कि पति और ससुराल वालों ने मेरे साथ ठीक नहीं किया। मुझे घर में नहीं रहने दिया। मेरी बेटी अभी मात्र 6 साल की है। वो अभी बहुत छोटी है और पति ने उसे मुझसे दूर कर दिया है। पूजा के मुताबिक, मैं लंबे समय से अपनी बच्ची से मिलने की कोशिश कर रही हूं, लेकिन मुझे बेटी से मिलने नहीं दिया जा रहा है। यहां तक कि फोन पर बात करने तक का मौका नहीं दिया जा रहा है। मां होने के नाते बेटी से दूर रहना मेरे लिए बेहद पीड़ादायक है।

ड़े पुलिस अधिकारियों पक्ष लेने का आरोपः पूजा ने पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि भानु प्रताप सिंह के आईपीएस अधिकारी हैं। उनके प्रभाव के कारण मेरी शिकायत पर कार्रवाई नहीं हो रही है। मैंने पहले बिहार के डीजीपी से मुलाकात कर अपनी शिकायत रखी थी। उस समय आश्वासन मिला, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकल पाया है। पुलिस विभाग के अधिकारी पति का बचाव कर रहे हैं और मेरी बात को गंभीरता से नहीं सुना जा रहा है।

ससुराल में भी दे चुकीं धरनाः IPS भानुप्रताप सिंह पत्नी पूजा कुछ महीनों पहले राजस्थान के भरतपुर के मथुरा गेट थाने पहुंची थीं। IPS की पत्नी पूजा ने थाने पहुंचकर पति और ससुराल पक्ष के खिलाफ शिकायत दी। उनका आरोप है कि पति उनकी छह साल की बेटी को उनसे दूर करना चाहते हैं। पुलिस ने मामले को पारिवारिक विवाद बताते हुए तत्काल कार्रवाई से इनकार कर दिया। इसके बाद पूजा देर रात तक थाने में बैठी रहीं।

बिहार में गिरने लगा न्यूनतम तापमान, दिन में गर्मी बरकरार

एजेंसी, पटना

बिहार में अक्टूबर के आखिरी सप्ताह में मौसम धीरे-धीरे बदलने लगा है। मौसम वैज्ञानिक के अनुसार, कई जिलों के न्यूनतम तापमान में लगातार 1 से 2 डिग्री तक गिरावट दर्ज की जा रही है। आने वाले दिनों में रात के तापमान में और कमी आने से ठंड का अहसास बढ़ सकता है। हालांकि, फिलहाल तेज धूप के कारण दिन गर्म रहेगा। अभी पूरे बिहार में कड़ाके की ठंड पड़ने की स्थिति नहीं है। न्यूनतम तापमान में गिरावट की रफ्तार और पछुआ हवा की स्थिति से आगे ठंड का असर तय होगा।

वहीं, बिहार में घने कोहरे को लेकर भी स्थिति स्पष्ट नहीं है। सुबह के समय नमी बढ़ने और हवा की रफ्तार कम रहने पर कुछ इलाकों में हल्का कुहासा दिख सकता है। खासकर ग्रामीण और नदी के आसपास के इलाकों में सुबह हल्की धुंध की संभावना स्थानीय परिस्थितियों पर निर्भर करेगी। मौसम के वैज्ञानिक के अनुसार, अक्टूबर के अंतिम दिनों में रात का तापमान गिरने से सुबह और देर शाम मौसम ठंडा रहने लगेगा। दिन और रात के तापमान में अंतर बढ़ने से लोगों को सुबह हल्की ठंड महसूस हो सकती है। मौसम में बदलाव के बीच बंगाल की खाड़ी में एक नया मौसमी सिस्टम बन रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, अंडमान सागर के ऊपर बना सिस्टम पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ रहा है।

खुले में कचरा फेंका तो जुर्माना दुकान सील हो सकती

एजेंसी, पटना

पटना में दीपावली और छठ महापर्व के दौरान स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने के लिए नगर निगम विशेष अभियान चलाएगा। 25 अक्टूबर से 10 नवंबर तक शहर के सभी वार्डों में 'स्वच्छता संकल्प' अभियान चलेगा। इसके तहत कचरा उठाव, सड़क और नालों की सफाई के साथ सार्वजनिक स्थलों को साफ रखने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। त्योहारों के दौरान घरों और दुकानों से निकलने वाले अतिरिक्त कचरे को देखते हुए निगम ने सफाई व्यवस्था को मजबूत करने की तैयारी की है। अभियान के तहत कचरा फेंकने वाले चिह्नित स्थानों पर निगरानी बढ़ाई जाएगी। स्थानीय लोगों के सहयोग से खुले में कचरा डालने वालों की पहचान की जाएगी। नियमों का उल्लंघन करने वाले घरों, दुकानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर जुर्माना लगाया जा सकता है। बार-बार नियम तोड़ने वाले प्रतिष्ठानों के खिलाफ सील करने जैसी कार्रवाई भी की जाएगी। शहर के चिह्नित येलो स्पॉट और रेड स्पॉट की विशेष सफाई के साथ नियमित धुलाई कराई जाएगी। इसके अलावा सभी ओवरब्रिज के ऊपर और नीचे भी रोज धुलाई की व्यवस्था की जाएगी। निगम का लक्ष्य प्रमुख सड़कों और सार्वजनिक स्थलों को साफ रखना है, ताकि त्योहारों के दौरान लोगों को गंदगी का सामना न करना पड़े। नगर निगम प्रशासन के अनुसार, अभियान के दौरान ऐसे स्थानों को चिह्नित कर विशेष सफाई कराई जाएगी, जहां अक्सर कचरा जमा होता है।

डीपीई के अधूरे कोर्स पूरा कर सकेंगे शिक्षार्थी

एजेंसी, पटना

♦ **इग्नू ने शुरू की विशेष पहल, निर्धारित समय में कोर्स पूरा नहीं करने वालों को मौका**

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने डिप्लोमा इन प्राइमरी एजुकेशन (डीपीई) कार्यक्रम के उन शिक्षार्थियों को एक बार फिर अपनी अधूरी शैक्षणिक योग्यता पूरी करने का अवसर देने की पहल की है, जो विभिन्न कारणों से निर्धारित समय सीमा के भीतर अपना कार्यक्रम पूरा नहीं कर सके थे। इस पहल से ऐसे शिक्षार्थियों को राहत मिलने की उम्मीद है, जिनकी पढ़ाई के कुछ आवश्यक घटक अब तक लंबित हैं। इग्नू के शिक्षार्थि मूल्यांकन प्रभाग की इस पहल के तहत पात्र कैंडिडेट्स को लंबित सैद्धांतिक परीक्षाएं, प्रायोगिक परीक्षाएं, सत्रीय कार्य तथा कार्यक्रम के अन्य शेष घटकों को पूरा करने का अवसर मिल सकेगा। हालांकि, यह सुविधा विश्वविद्यालय के सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति, निर्धारित पात्रता और लागू नियमों के अधीन होगी।

क्षेत्रीय केंद्र, पटना ने शिक्षार्थियों से मांगा विवरणः इग्नू क्षेत्रीय केंद्र, पटना के वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक डॉ. ई. कृष्णा राव ने कहा कि यह उन डीपीई शिक्षार्थियों के लिए महत्वपूर्ण अवसर है, जो किसी कारणवश पहले अपना कार्यक्रम पूरा नहीं कर सके थे। उन्होंने ऐसे सभी शिक्षार्थियों से अपील की है कि वे अपना नाम, नामांकन संख्या, संपर्क विवरण और कार्यक्रम से संबंधित लंबित शैक्षणिक कार्यों की जानकारी क्षेत्रीय केंद्र, पटना को उपलब्ध कराएं, ताकि उनके मामलों में नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

क्षेत्रीय केंद्रों को दिए गए निर्देशः विश्वविद्यालय मुख्यालय की ओर से जारी पत्र के अनुसार, संबंधित क्षेत्रीय केंद्रों को पात्र शिक्षार्थियों तक इस विशेष अवसर की जानकारी पहुंचाने का निर्देश दिया गया है। इसके साथ ही, शिक्षार्थियों से प्राप्त आवेदन और अनुरोधों को आवश्यक कार्रवाई के लिए इग्नू मुख्यालय के विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग को भेजा जाएगा।

शिक्षार्थियों के लिए जरूरी सूचनाः इग्नू क्षेत्रीय केंद्र, पटना के अंतर्गत आने वाले इच्छुक डीपीई शिक्षार्थी अपने व्यक्तिगत विवरण और लंबित शैक्षणिक कार्यों की जानकारी क्षेत्रीय केंद्र को उपलब्ध कराएं। आवेदन प्रक्रिया, पात्रता और आगे के निर्देशों के संबंध में शिक्षार्थी क्षेत्रीय केंद्र, पटना से संपर्क कर सकते हैं।

विश्वविद्यालय की इस पहल का उद्देश्य उन शिक्षार्थियों को अपनी अधूरी शैक्षणिक योग्यता पूरी करने का अवसर देना है, जो निर्धारित अवधि में डीपीई कार्यक्रम पूरा नहीं कर पाए थे। इससे संबंधित शिक्षार्थियों को अपने लंबित शैक्षणिक कार्य पूरे कर कार्यक्रम पूर्ण करने की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर मिल सकता है।

संक्षिप्त समाचार

बिहार विधान परिषद चुनाव शांति पूर्वक सम्पन्न

बीएनएम @ रामगढ़वा। बिहार विधान परिषद के सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले रामगढ़वा प्रखंड में शुक्रवार को मतदान प्रक्रिया ने हैरान करने वाली रफ्तार पकड़ी और महज दोपहर करीब 1 बजे तक ही यहाँ 100 प्रतिशत मतदान का रिकॉर्ड दर्ज कर लिया गया। निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस प्रखंड में कुल मतदाताओं की संख्या 62 है, जिसमें 56 पुरुष और 6 महिला मतदाता शामिल हैं। लोकतंत्र के इस पावन पर्व में यहाँ के शिक्षकों ने गजब की जागरूकता और उत्साह का परिचय देते हुए समय सीमा से काफी पहले ही अपने मताधिकार का शत-प्रतिशत उपयोग कर लिया। रामगढ़वा प्रखंड के सभी 62 मतदाताओं ने बिना किसी देरी के अपने-अपने बूथ पर पहुंचकर मतदान प्रक्रिया को पूरा किया, जिसके चलते दोपहर 1 बजे तक ही बक्से शत-प्रतिशत वोटों से भर चुके थे। स्थानीय शिक्षकों की इस अनुकरणीय भागीदारी और मतदान के प्रति दिखाई गई इस गहरी प्रतिबद्धता की पूरे निर्वाचन क्षेत्र में जमकर चर्चा हो रही है। इस सराहनीय उपलब्धि ने यह साबित कर दिया है कि यदि मतदाता जागरूक हों, तो चुनाव सिर्फ एक औपचारिकता नहीं बल्कि उत्सव बन जाता है और रामगढ़वा के शिक्षकों ने शत-प्रतिशत मतदान कर एक मजबूत और प्रेरणादायक संदेश दिया है।

घर के अंदर फंदे से लटका मिला 19 वर्षीय युवती का शव, जांच में जुटी पुलिस

बीएनएम @ पताही। थाना क्षेत्र के परसौनी कपूर गांव के वार्ड संख्या-5 में शुक्रवार को एक युवती का शव घर के अंदर दुपट्टे के सहारे फंदे से लटका मिला। मृतका की पहचान गोल्डी कुमारी (19 वर्ष), पिता राम दयाल सहनी, के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलने पर पताही थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू की। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस संबंध में पताही थानाध्यक्ष अभिषेक कुमार ने बताया कि सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही युवती की मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल युवती की मौत के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

हरसिद्धि बूथ पर 95 प्रतिशत मतदान, प्रशासन रहा अलर्ट

एसडीएम-एसडीपीओ ने संभाली कमान, पुलिस की मुस्तैदी में शांतिपूर्ण संपन्न हुआ मतदान

हरसिद्धि। बिहार विधान परिषद के 03-सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव में शुक्रवार को हरसिद्धि प्रखंड मुख्यालय स्थित मतदान केंद्र पर 95 प्रतिशत वोटिंग हुई। बूथ संख्या 41 पर कुल 61 मतदाता पंजीकृत थे। मतदान के दौरान प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों की सक्रियता से पूरी प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। मतदान केंद्र पर सुरक्षा और व्यवस्था की निगरानी के लिए सेक्टर मजिस्ट्रेट आलोक कुमार तैनात रहे। उन्होंने मतदाताओं की आवाजाही और केंद्र की व्यवस्थाओं पर नजर रखी। वहीं, जोनल मजिस्ट्रेट निधि कुमारी और सुपर जोनल मजिस्ट्रेट मोहम्मद शिहाबुद्दीन ने नियमित पेट्रोलिंग कर मतदान केंद्र की निगरानी की। अरेराज एसडीएम सुजीत कुमार और एसडीपीओ पंकज कुमार मिश्रा ने भी मतदान शुरू होने से लेकर प्रक्रिया पूरी होने तक सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। हरसिद्धि थानाध्यक्ष सुनील कुमार, पर्यवेक्षी पदाधिकारी इंस्पेक्टर अजय कुमार सिंह और दरोगा अंकित कुमार पुलिस बल के साथ मुस्तैद रहे। अधिकारियों ने मतदान केंद्र के आसपास की गतिविधियों पर नजर रखते हुए शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित किया। सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से राजद के जयराम यादव, भाजपा के पुष्कर आनंद और जन सुराज के आफाक अहमद समेत कुल 18 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। प्रत्याशियों के समर्थकों ने मतदान केंद्र के बाहर टेंट लगाकर मतदाताओं से संपर्क किया। महागठबंधन समर्थित राजद प्रत्याशी जयराम यादव के समर्थन में पूर्व विधायक राजेंद्र राम मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि जयराम यादव की जीत से शिक्षकों और बुद्धिजीवियों के मान-सम्मान को मजबूती मिलेगी।

डर और चुप्पी तोड़ेंगे बच्चे, जागरूकता से सुरक्षित होगा बचपन

बचपन बचाओ अभियान के तहत पॉक्सो एक्ट पर जोर, प्राथमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को किया गया जागरूक

बीएनएम @ मोतिहारी

बचपन को सुरक्षित बनाने और बच्चों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे बचपन बचाओ अभियान के तहत विद्यालयों में पॉक्सो एक्ट (POCSO Act) के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। अभियान के दूसरे दिन शहर के राजा बाजार स्थित महात्मा गांधी प्रेक्षागृह में जिले के कक्षा एक से पांच तक के विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को संबोधित किया गया। इस दौरान बच्चों को यौन शोषण एवं उत्पीड़न से बचाने, उनके अधिकारों की जानकारी देने और विद्यालयों में सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने पर बल दिया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पूर्वी चंपारण के सचिव एवं न्यायाधीश नितिन कुमार त्रिपाठी ने कहा कि प्रत्येक बच्चे को अपनी सुरक्षा, व्यक्तिगत सीमाओं तथा सुरक्षित और असुरक्षित व्यवहार की पहचान की जानकारी होनी चाहिए। बच्चों में ऐसा विश्वास पैदा करना जरूरी है,

ताकि किसी भी तरह के अनुचित व्यवहार की स्थिति में वे बिना किसी डर के अपने अभिभावक, शिक्षक या किसी विश्वसनीय व्यक्ति को अपनी बात बता सकें। अभियान को प्रभावी बनाने के लिए प्रत्येक विद्यालय से एक पुरुष शिक्षक और एक महिला शिक्षिका को प्रशिक्षित करने की योजना है। प्रशिक्षित शिक्षक-शिक्षिकाएं विद्यालयों में नियमित जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर बच्चों को उनकी उम्र के अनुरूप पॉक्सो एक्ट, बाल सुरक्षा और उनके कानूनी अधिकारों की जानकारी देंगे। इसके लिए नुक्कड़ नाटक, निबंध प्रतियोगिता, वाद-विवाद सहित विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों का सहारा लिया जाएगा, ताकि बच्चे सरल और सहज तरीके से सुरक्षा संबंधी जरूरी बातों को समझ सकें। साथ ही, विद्यालय स्तर पर बच्चों के बीच जागरूकता का माहौल तैयार किया जा सके। कार्यक्रम में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि बच्चों को किसी भी अनुचित व्यवहार के विरुद्ध आवाज उठाने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। उनकी शिकायतों को गंभीरता से सुनना और उनकी बातों पर संवेदनशीलता से ध्यान देना शिक्षकों एवं अभिभावकों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। अभिभावकों और शिक्षकों से अपील की गई कि वे बच्चों के साथ विश्वासपूर्ण संबंध बनाएं, उनकी समस्याओं को समझें और किसी घटना की जानकारी मिलने पर बच्चे की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कानून के अनुरूप आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। गौरतलब है कि पॉक्सो एक्ट, 2012 अठारह वर्ष से कम आयु के बच्चों को यौन अपराधों से संरक्षण प्रदान करने वाला महत्वपूर्ण कानून है। विद्यालयों में सरल भाषा और व्यावहारिक गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को इस कानून के प्रति जागरूक किया जाएगा, ताकि वे असुरक्षित परिस्थितियों को पहचान सकें और जरूरत पड़ने पर बेझिझक सहायता मांग सकें। कार्यक्रम में जिला शिक्षा पदाधिकारी राजन गिरी, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (माध्यमिक) उमेश कुमार, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, मोतिहारी अफरोज आलम तथा शिक्षा विभाग से रेयाज अहमद, शकील अहमद और अमरेश कुमार सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं प्रशिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि बच्चों की सुरक्षा केवल कानून या किसी एक विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि विद्यालय, परिवार और समाज का साझा दायित्व है। जागरूकता, संवेदनशीलता और समय पर उचित कार्रवाई के जरिए ही बच्चों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जा सकता है और उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव मजबूत की जा सकती है।

धान की कटाई के दौरान निकला नौ फीट लंबा अजगर, गांव में मचा हड़कंप

» पिपरिया गांव में अजगर देखने के लिए जुटी ग्रामीणों की भीड़, वन विभाग की टीम ने सुरक्षित किया रेस्क्यू

बीएनएम @ तुरकौलिया

थाना क्षेत्र के पिपरिया गांव में शुक्रवार को धान की कटाई के दौरान अचानक करीब नौ फीट लंबा अजगर निकलने से खेत में अफरा-तफरी मच गई। विशालकाय अजगर को देखकर खेत में काम कर रहे मजदूर सहम गए। देखते ही देखते इसकी खबर पूरे गांव में फैल गई और सांप को देखने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए। लोगों की आवाजाही और शोरगुल के बीच अजगर धान के बोझे में जाकर छिप गया। जानकारी के अनुसार, पिपरिया निवासी सुभाष कुमार के

खेत में शुक्रवार को धान की कटाई का काम चल रहा था। इसी दौरान मजदूरों की नजर अचानक अजगर पर पड़ी। इतने बड़े सांप को देखकर मजदूर सतर्क हो गए और इसकी सूचना आसपास के लोगों को दी। कुछ ही देर में खेत में ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। धान के बोझे में छिपे अजगर को देखने के लिए लोगों में काफी उत्सुकता देखी गई। ग्रामीणों ने घटना की सूचना वन विभाग को दी। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और अजगर को पकड़ने के लिए रेस्क्यू अभियान शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद टीम ने अजगर को सुरक्षित पकड़ लिया और अपने साथ ले गई। इसके बाद खेत में मौजूद मजदूरों और ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। धान की कटाई के दौरान खेत में इतना विशाल अजगर मिलने की घटना गांव में चर्चा का विषय बनी रही। ग्रामीण एक-दूसरे से घटना की जानकारी लेते रहे। अजगर को देखने के लिए लोगों की भीड़ जुटने से खेत में काफी देर तक गहमागहमी का माहौल रहा। हालांकि, वन विभाग की टीम द्वारा अजगर को सुरक्षित पकड़ लिए जाने के बाद स्थिति सामान्य हो गई।

जूडो चैंपियनशिप में सगी बहनों का जलवा, रिद्धि ने जीता गोल्ड और देवांशी ने सिल्वर

बीएनएम @ रामगढ़वा

प्रखंड की दो सगी बहनों ने बिहार राज्य जूडो चैंपियनशिप 2026-27 में शानदार प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन किया है। बड़ी बहन रिद्धि कुमारी ने गोल्ड मेडल और छोटी बहन देवांशी ने सिल्वर मेडल जीता है। रिद्धि का राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए भी चयन हो गया है। बिहार सरकार के खेल विभाग और बिहार राज्य जूडो एसोसिएशन के तत्वावधान में पटना में आयोजित इस चैंपियनशिप में रिद्धि ने जूनियर वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किया, वहीं देवांशी ने रजत पदक पर कब्जा जमाया। रामगढ़वा निवासी राकेश कुमार पांडेय की दोनों बेटियां राजस्थान की प्रतिष्ठित वनस्थली विद्यापीठ में पढ़ती हैं। रिद्धि कक्षा आठवीं और देवांशी कक्षा सातवीं की छात्रा है। इससे पहले दोनों ने राजस्थान सरकार द्वारा आयोजित एसजीएफआई जूडो प्रतियोगिता में भी रिद्धि ने गोल्ड और देवांशी ने सिल्वर जीता था। पटना में आयोजित समापन समारोह में खेल मंत्री श्रेयसी सिंह ने दोनों बहनों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रतियोगिता के बाद गांव लौटने पर ग्रामीणों ने ढोल-नगाड़ों के साथ दोनों बहनों का भव्य स्वागत किया और मिठाइयां खिलाकर बधाई दी।

फाइलेरिया उन्मूलन की पहल: रात में 80 लोगों के खून की हुई जांच

चिरैया के सेनवरिया एकौना में नाइट ब्लड सर्वे शुरू, ग्रामीणों को बीमारी से बचाव के प्रति किया गया जागरूक

बीएनएम @ मोतिहारी

राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत पूर्वी चंपारण जिले के चिरैया प्रखंड स्थित आरोग्य आयुष्मान मंदिर, सेनवरिया एकौना के समीप गुरुवार की रात नाइट ब्लड सर्वे (एनबीएस) कार्यक्रम की शुरुआत की गई। सेंटिनल साइट पर आयोजित इस अभियान के पहले दिन 80 लोगों के रक्त के नमूनों की जांच की गई। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम और रोगी हितधारक मंच के सदस्यों ने ग्रामीणों को फाइलेरिया से बचाव, समय पर जांच और नियमित दवा सेवन के प्रति जागरूक किया। अभियान के दौरान स्कूल एवं आसपास के क्षेत्रों में लोगों को बीमारी के लक्षण, संक्रमण से बचाव और स्वच्छता के महत्व की जानकारी दी गई। सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ), रोगी हितधारक मंच के सदस्य, वार्ड सदस्य, हाथीपांव से प्रभावित मरीज, आशा कार्यकर्ता, एएनएम और शिक्षकों ने इसमें

सक्रिय भागीदारी निभाई। लोगों को मच्छरदानी लगाने, घर एवं आसपास साफ-सफाई रखने तथा सर्वजन दवा सेवन कार्यक्रम के दौरान निर्धारित दवाओं का सेवन करने के लिए प्रेरित किया गया। वहीं, हाथीपांव से प्रभावित नए एवं पुराने मरीजों को प्रभावित अंगों की साफ-सफाई और नियमित व्यायाम के तरीके भी बताए गए। जागरूकता अभियान के दौरान ग्रामीणों ने फाइलेरिया जांच को लेकर कई सवाल उठाए। लोगों ने पूछा कि स्वस्थ महसूस करने के बावजूद जांच कराना क्यों जरूरी है, सभी लोगों की हर समय जांच क्यों नहीं होती और दवा सेवन से क्या लाभ मिलता है। स्वास्थ्यकर्मियों एवं रोगी हितधारक मंच के सदस्यों ने इन सवालों के जवाब देकर लोगों की भ्रांतियां दूर कीं। उन्हें बताया गया कि फाइलेरिया का संक्रमण लंबे समय तक बिना स्पष्ट लक्षणों के भी रह सकता है। इसलिए समय पर जांच और बचाव के उपाय अपनाना बेहद जरूरी है। इस संबंध में जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी (डीवीडीसीओ) डॉ. निकेश कुमार सिंह ने बताया कि चिरैया, संग्रामपुर समेत जिले के विभिन्न प्रखंडों में निर्धारित तिथियों पर चयनित स्थानों पर नाइट ब्लड सर्वे आयोजित किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से पिरामल, सिफार सहित अन्य सहयोगी संस्थाओं एवं जनप्रतिनिधियों के सहयोग से यह अभियान चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य क्षेत्र में फाइलेरिया के परजीवी से संक्रमित लोगों की पहचान करना और संक्रमण की रोकथाम के लिए आवश्यक कदम उठाना है। वहीं, सिविल सर्जन डॉ. दिलीप कुमार एवं जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी (डीआईओ) डॉ. शरत चंद्र शर्मा ने कहा कि फाइलेरिया एक गंभीर बीमारी है, जिससे बचाव के लिए समय पर जांच और निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार दवा का सेवन जरूरी है। संक्रमण के गंभीर रूप लेने पर हाथ-पैर में असामान्य सूजन यानी हाथीपांव तथा पुरुषों में हाइड्रोसील जैसी समस्याएं हो सकती हैं। बीमारी के विकसित हो जाने पर इसका पूर्ण उपचार कठिन हो सकता है, इसलिए रोकथाम पर विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने बताया कि फाइलेरिया की जांच के लिए रात में रक्त का नमूना लिया जाता है, क्योंकि इस बीमारी के परजीवी रात के समय रक्त में अधिक सक्रिय होकर दिखाई देते हैं। इसी कारण रात्रिकालीन रक्त जांच के माध्यम से संक्रमित लोगों की पहचान करने में मदद मिलती है। उन्होंने 20 वर्ष से अधिक उम्र के सभी लोगों से अपील की कि वे निर्धारित कार्यक्रम के तहत अपनी जांच अवश्य कराएं और स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों का पालन करें। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की डिविजनल कोऑर्डिनेटर माधुरी देवराजू ने बताया कि फाइलेरिया संक्रमित मच्छर के काटने से फैलने वाली बीमारी है। इसके संक्रमण के लिए क्यूलेक्स मच्छर प्रमुख वाहकों में से एक है। मच्छरों के प्रजनन को रोकने के लिए घरों एवं आसपास जलजमाव और गंदगी से बचना जरूरी है। यह बीमारी किसी भी उम्र के व्यक्ति को प्रभावित कर सकती है। इसके कारण हाथ, पैर, स्तन एवं पुरुषों के अंडकोष में सूजन जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इसलिए स्वच्छता, मच्छरों से बचाव, समय पर जांच और निर्धारित दवा सेवन को गंभीरता से लेना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान सीएचओ रोहित राज, महेश यादव, आशा कार्यकर्ता गिरजा देवी, लैब टेक्नीशियन इश्त्याक अहमद, एएनएम पूनम कुमारी, पूर्व वार्ड सदस्य मणिभूषण प्रसाद, फैसिलिटेटर सीमा देवी, हाथीपांव से प्रभावित मरीज, पिरामल के प्रतिनिधि पप्पू कुमार सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

तुरकौलिया में 77.41 प्रतिशत मतदान, 93 में से 72 शिक्षकों ने डाले वोट

» महिला मतदाताओं की भागीदारी रही कम, महज 14 महिलाओं ने किया मताधिकार का प्रयोग; डीएम-एसपी ने लिया व्यवस्था का जायजा

बीएनएम @ तुरकौलिया

सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव में शुक्रवार को तुरकौलिया मतदान केंद्र पर शिक्षकों ने उत्साह के साथ अपने मताधिकार का प्रयोग किया। केंद्र पर कुल 93 पंजीकृत मतदाताओं में से 72 ने मतदान किया। इस प्रकार यहां 77.41 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। हालांकि, मतदान में महिलाओं की भागीदारी पुरुषों की तुलना में काफी कम रही। कुल 58 पुरुष और

महज 14 महिला मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। मतदान केंद्र पर पुलिस बल की तैनाती के साथ ही पूरी प्रक्रिया की निगरानी की जा रही थी। सुबह से ही मतदाताओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। निर्धारित प्रक्रिया के तहत शिक्षकों ने अपने पसंदीदा प्रत्याशी के पक्ष में मतदान किया। मतदान के दौरान डीएम सौरभ सुमन यादव और एसपी स्वर्ण प्रभात ने तुरकौलिया स्थित मतदान केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मतदान की स्थिति और सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ली। साथ ही, चुनाव को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के लिए संबंधित अधिकारियों और मतदान कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अधिकारियों की निगरानी में मतदान प्रक्रिया सुचारू रूप से चलती रही। मतदान केंद्र पर प्रजाइडिंग ऑफिसर सह बनकटवा अंचलाधिकारी (सीओ) अजय कुमार रंजन के अलावा रोहित कुमार, ब्रजेश कुशवाहा, सूर्यकांत कुमार, अवधेश कुमार श्रीवास्तव, एसआई मनीष कुमार, प्रभात कुमार सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। सुरक्षा और प्रशासनिक निगरानी के बीच मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। मतदान समाप्ति तक केंद्र पर किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली।

सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में 89.61% मतदान पूर्वी चंपारण में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई वोटिंग

27 मतदान केंद्रों पर 1,743 मतदाताओं में से 1,562 ने किया मताधिकार का प्रयोग, चार प्रखंडों में शत-प्रतिशत मतदान

बीएनएम @ मोतिहारी

बिहार विधान परिषद के 03-सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के लिए शुक्रवार, 23 अक्टूबर 2026 को पूर्वी चंपारण जिले में मतदान की प्रक्रिया स्वच्छ, निष्पक्ष, भयमुक्त एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। जिले के सभी 27 प्रखंड मुख्यालय परिसरों में मतदान केंद्र बनाए गए थे। यहां कुल 1,743 मतदाताओं को अपने मताधिकार का प्रयोग करना था, जिनमें से 1,562 मतदाताओं ने मतदान किया। इस प्रकार जिले में कुल 89.61 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। मतदान में पुरुष मतदाताओं की भागीदारी अधिक रही। कुल 1,394 पुरुष एवं 168 महिला मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। वहीं, जिले के घोड़ासहन, पताही, तेतरिया और रामगढ़वा प्रखंडों में शत-प्रतिशत मतदान हुआ। इन चारों प्रखंडों में सभी पात्र मतदाताओं ने मतदान कर लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। मतदान को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के

लिए भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुरूप जिला प्रशासन की ओर से व्यापक प्रशासनिक एवं सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। सभी मतदान केंद्रों पर स्टैटिक फोर्स के साथ दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई थी। इसके अतिरिक्त जोनल अधिकारियों को भी तैनात किया गया था, जिन्हें लगभग दो-दो प्रखंडों की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। वहीं, जिले के सात वरीय अधिकारियों को सुपर जोनल दंडाधिकारी के रूप में जिम्मेदारी दी गई थी। इनमें नगर आयुक्त, अपर समाहर्ता, उप विकास आयुक्त, एडीएम लोक शिकायत, एडीएम विभागीय जांच एवं जिला बंदोबस्त पदाधिकारी सहित वरीय अधिकारी शामिल थे। इन अधिकारियों को मतदान प्रक्रिया की निगरानी एवं विधि-व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। मतदान प्रक्रिया पर नजर बनाए रखने के लिए जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव एवं पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने विभिन्न मतदान केंद्रों का लगातार भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान मतदान की स्थिति, सुरक्षा व्यवस्था एवं विधि-व्यवस्था की समीक्षा की गई। इसके साथ ही जिला स्तर पर नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई थी, जहां से जिले के सभी मतदान केंद्रों पर चल रही गतिविधियों की पल-पल की जानकारी प्राप्त की जा रही थी। जिला प्रशासन की मुस्तैदी एवं पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था के बीच विधान परिषद निर्वाचन की मतदान प्रक्रिया पूरी तरह शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। जिले में कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना प्राप्त नहीं हुई। इस प्रकार पूर्वी चंपारण में निष्पक्ष, भयमुक्त एवं व्यवस्थित मतदान के साथ निर्वाचन प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न कराई गई।

संक्षिप्त समाचार

हनुमान मंदिर पूजा पंडाल पहुंचे थारू भाई, क्षेत्र की खुशहाली की कामना

बीएनएम @ रामगढ़वा। युवा नेता एवं सामाजिक कार्यकर्ता रामबिकाश यादव उर्फ थारू भाई ने रामगढ़वा हनुमान मंदिर पूजा पंडाल में माता रानी के दर्शन कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। इस दौरान पूजा समिति ने उन्हें अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। थारू भाई ने कहा कि माता रानी के आशीर्वाद से प्रखंड के सभी लोग खुशहाल रहें। उन्होंने कहा कि प्रमुख बनने का अवसर मिला तो क्षेत्र का समुचित विकास उनकी प्राथमिकता होगी। मौके पर सामाजिक कार्यकर्ता बलिराम यादव, अनिल यादव, अजित यादव, तारकेश्वर महतो समेत कई लोग मौजूद रहे। पूजा के बाद स्थानीय नेता विनोद कुमार यादव के नेतृत्व में उन्हें माता की चुनरी भेंट कर सम्मानित किया गया। स्थानीय लोगों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं।

केसरिया में 56 में से 51 शिक्षक मतदाताओं ने किया मतदान

बीएनएम @ केसरिया(पूर्वी चंपारण)। सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र का मतदान शुक्रवार को केसरिया प्रखंड कार्यालय स्थित मतदान केंद्र संख्या 36 पर शांतिपूर्ण संपन्न हुआ। केंद्र पर कुल 56 शिक्षक मतदाताओं में से 51 ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। मतदान केंद्र पर जोनल मजिस्ट्रेट सह अनुमंडल लोक शिकायत पदाधिकारी, चकिया, सेक्टर मजिस्ट्रेट विकास कुमार तथा पीठासीन पदाधिकारी सह मधुबन बीडीओ उमेश कुमार सिंह मौजूद रहे। अधिकारियों की निगरानी में मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। वहीं, विभिन्न प्रत्याशियों के समर्थक मतदान केंद्र के बाहर डटे रहे।

अंचल कार्यालय में सीओ ने सुनीं जमीन संबंधी समस्याएं

बीएनएम @ बगहा। बगहा-01 अंचल कार्यालय में गुरुवार को जनसुनवाई के दौरान अंचलाधिकारी रवि भूषण गौरव ने विभिन्न पंचायतों से पहुंचे फरियादियों की जमीन संबंधी समस्याएं सुनीं। नवरात्रि के बाद अंचल कार्यालय में लोगों की चहल-पहल बढ़ी रही। बड़ी संख्या में लोग जमीन से जुड़ी समस्याओं को लेकर कार्यालय पहुंचे और अपनी शिकायतें रखीं। अंचलाधिकारी ने फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित मामलों की जानकारी ली तथा अंचल कर्मियों को मामलों की जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के माध्यम से लोगों को अपनी जमीन संबंधी समस्याएं सीधे अंचलाधिकारी के समक्ष रखने का अवसर मिला।

एसएसबी बगहा में मिलेट्स मेला, महिला सशक्तिकरण पर जोर

बीएनएम @ बगहा। 21वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, बगहा में संदीक्षा अध्यक्षा कुसुम संगमा राउत एवं कमांडेंट तापेश्वर संबित राउत के निर्देशन में संदीक्षा मिलेट्स मेला-2026 का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि नगर परिषद बगहा की उपसभापति रश्मि रंजन ने महिला सशक्तिकरण, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में संदीक्षा के प्रयासों की सराहना की। कमांडेंट ने कहा कि मिलेट्स स्वस्थ जीवनशैली और भारतीय संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। मेले में बाजरा, रागी और ज्वार से बने विभिन्न व्यंजनों के स्टॉल लगाए गए। बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। मौके पर वाहिनी के अधिकारी, जवान, संदीक्षा सदस्याएं और गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बगहा एसपी ने दिया धिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश

बीएनएम @ बगहा। पुलिस अधीक्षक कार्यालय बगहा में शुक्रवार को जनसुनवाई के दौरान एसपी राजेश कुमार ने विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे फरियादियों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को शिकायतों की जांच कर निष्पक्ष एवं त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। एसपी ने बताया कि आम लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रत्येक कार्यदिवस में सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक जनसुनवाई आयोजित की जाती है। इसका उद्देश्य लोगों की शिकायतों का नियमानुसार त्वरित एवं निष्पक्ष निष्पादन सुनिश्चित करना है।

बगहा में मेडिकल दुकानों की जांच, नहीं मिली अनियमितता

बीएनएम @ : बगहा। बगहा नगर के शास्त्रीनगर स्थित मेडिकल दुकानों की शुक्रवार को शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, बगहा-दो की टीम ने जांच की। इस दौरान दुकानों के आवश्यक कागजात और उपलब्ध दवाओं की पड़ताल की गई। जांच में किसी प्रकार की अनियमितता नहीं मिली। टीम में चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. रणवीर सिंह, स्वास्थ्य प्रबंधक जितेंद्र कुमार और लेखपाल विनोद कुमार शामिल थे। टीम ने अच्छेलाल साहनी सहित अन्य दुकानदारों के दस्तावेजों और दवाओं की जांच की। इस दौरान चिकित्सा पदाधिकारी ने दुकानदारों को दवा कारोबार से जुड़े नियमों का पालन करने और निर्धारित मानकों के अनुरूप दुकान संचालित करने के निर्देश दिए।

चिरैया में सारण शिक्षक निर्वाचन के लिए 93.62 प्रतिशत मतदान

बीएनएम @ सिकरहना (मोतिहारी)। सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव में शुक्रवार को चिरैया प्रखंड में 93.62 प्रतिशत मतदान हुआ। अंचल कार्यालय परिसर स्थित मतदान केंद्र पर कुल 47 मतदाताओं में से 44 ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान सुबह आठ बजे से शाम चार बजे तक बैलेट पेपर के माध्यम से कराया गया। कुल 41 पुरुष और छह महिला मतदाताओं में से 39 पुरुष और पांच महिलाओं ने मतदान किया। दोपहर दो बजे तक करीब 85 प्रतिशत मतदान हो चुका था, जबकि अपराह्न तीन बजे तक सभी 44 मतदाताओं ने वोट डाल दिया था। मतदान के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे और सभी मतदाताओं की वीडियोग्राफी कराई गई। रक्सौल के अंचलाधिकारी अरविंद कुमार को पीठासीन पदाधिकारी नियुक्त किया गया था। सुरक्षा की जिम्मेदारी चिरैया थाने के सब इंस्पेक्टर गौतम कुमार और सशस्त्र पुलिस बल के जवानों को सौंपी गई थी। मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ और किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली।

बगहा में कल छह घंटे बिजली आपूर्ति रहेगी बाधित

बीएनएम @ बगहा। निर्माणाधीन 132/33 केवी ग्रिड उपकेंद्र, बगहा में 25 अक्टूबर 2026 को 132 केवी कंडक्टर स्ट्रिंगिंग का कार्य किया जाएगा। इसकी जानकारी विद्युत विभाग के कार्यपालक अभियंता आलोक अमृतांशु ने दी। उन्होंने बताया कि कार्य के कारण सुबह पांच बजे से 11 बजे तक 33 केवी बगहा फीडर की बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। इस दौरान वैकल्पिक व्यवस्था के तहत रोटेशन के आधार पर बिजली आपूर्ति बहाल रखी जाएगी। विद्युत विभाग ने आम लोगों से अपील की है कि वे समय रहते अपने आवश्यक कार्य निपटा लें।

सदर अस्पताल में 62 नवनियुक्त स्वास्थ्य कर्मियों को दिया गया सेवा भावना और नेतृत्व का पाठ

बीएनएम @ सीतामढ़ी

मरीजों के प्रति संवेदनशीलता, धैर्य और बेहतर संवाद ही गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा का आधार: सिविल सर्जन

जिला सदर अस्पताल सीतामढ़ी में नवनियुक्त 62 स्टाफ नर्स, तकनीशियन एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मियों के लिए विशेष संवेदीकरण सत्र का आयोजन किया गया। इस दौरान कर्मियों को मरीजों एवं उनके परिजनों के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण, धैर्यपूर्वक सेवा और प्रभावी संवाद को बेहतर इलाज का अनिवार्य अंग बताया गया। सत्र को संबोधित करते हुए सिविल सर्जन डॉ. आर. के. यादव ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा का मूल उद्देश्य केवल दवा या उपचार देना नहीं, बल्कि मरीजों के प्रति मानवीय और संवेदनशील व्यवहार बनाए रखना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि धैर्य और सेवा भावना हर स्वास्थ्य कर्मी का पहला कर्तव्य है तथा परिजनों के साथ किया गया सकारात्मक संवाद ही संस्थान की गुणवत्ता को दर्शाता है। प्रशिक्षण के दौरान पीरामल फाउंडेशन के सहयोग से कर्मियों को सिम्पैथी, एम्पेथी, एक्टिव लीसेंनिग और नन वायलेंट कम्युनिकेशन (एन भी सी) जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्यावहारिक उदाहरणों के साथ जानकारी दी गई। वक्ताओं ने रेखांकित किया कि अस्पताल आने वाला मरीज उपचार के साथ-साथ सम्मान और संबल की उम्मीद भी रखता है; ऐसे में मरीज की बात को ध्यानपूर्वक सुनना और उसकी मानसिक स्थिति को समझना बेहद जरूरी है। कार्यक्रम में 'सेल्फ चेंज टू सिस्टम चेंज' की अवधारणा पर विशेष बल दिया गया। कर्मियों को समझाया गया कि स्वास्थ्य व्यवस्था में बड़ा बदलाव लाने के लिए शुरुआत अपने व्यक्तिगत आचरण और कार्यशैली से करनी होगी। साथ ही यह संदेश दिया गया कि नेतृत्व केवल किसी पद का नाम नहीं, बल्कि अपने दायित्वों और व्यवहार से दूसरों के सामने उदाहरण प्रस्तुत करना ही सच्चा नेतृत्व है। इस अवसर पर अस्पताल उपाधीक्षक डॉ. मनोज कुमार, अस्पताल प्रबंधक विजय चंद्र झा, पीरामल फाउंडेशन के कार्यक्रम प्रबंधक प्रभाकर कुमार, कार्यक्रम लीड रोहित कुमार एवं दुर्गा प्रसाद उपस्थित रहे। इस पहल का मुख्य उद्देश्य अस्पताल में टीम भावना को सुदृढ़ कर मरीजों को गरिमापूर्ण और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा मुहैया कराना है।

शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ सारण शिक्षक निर्वाचन का मतदान, 100 प्रतिशत हुआ मतदान

बीएनएम @ पताही

63 मतदाताओं ने किया मताधिकार का प्रयोग, एसडीओ और एसडीपीओ ने मतदान केंद्र का किया निरीक्षण

सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत पताही प्रखंड में मतदान शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित माहौल में संपन्न हुआ। मतदान के लिए प्रखंड कार्यालय परिसर में मतदान केंद्र बनाया गया था, जहां मतदाताओं ने उत्साहपूर्वक अपने मताधिकार का प्रयोग किया। पताही प्रखंड में कुल 63 मतदाता पंजीकृत थे और सभी 63 मतदाताओं ने मतदान किया। इस तरह प्रखंड में शत-प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। मतदान प्रक्रिया को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। मतदान केंद्र पर सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के साथ ही प्रशासनिक स्तर पर भी विशेष सतर्कता बरती गई, ताकि मतदान के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था उत्पन्न न हो। इसी क्रम में पकड़ीदयाल की अनुमंडल पदाधिकारी मंगला कुमारी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी चंदन कुमार ने मतदान केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान दोनों अधिकारियों ने मतदान केंद्र पर उपलब्ध व्यवस्थाओं एवं सुरक्षा इंतजामों का जायजा लिया। प्रशासन की सतर्कता और पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था के बीच पताही प्रखंड में मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। सभी 63 मतदाताओं के मतदान में भाग लेने से प्रखंड में 100 प्रतिशत मतदान का लक्ष्य हासिल हुआ।

अंचल कार्यालय पहुंचीं महिलाएं, समाधान का भरोसा

बीएनएम @ बगहा

बगहा-01 प्रखंड की चंद्रहा-रुपवलिया पंचायत के वार्ड संख्या 17 स्थित मुसटोली की डेढ़ दर्जन से अधिक महिलाएं शुक्रवार को बाढ़ राहत नहीं मिलने की शिकायत लेकर अंचल कार्यालय पहुंचीं। महिलाओं ने अंचलाधिकारी रवि भूषण गौरव से मुलाकात कर अपनी समस्याएं बताईं। महिलाओं का आरोप था कि बाढ़ के दौरान उनके घरों में पानी घुस गया था, लेकिन अब तक सरकारी सहायता नहीं मिली। उन्होंने सामुदायिक रसोई में भोजन नहीं मिलने और राहत वितरण में भेदभाव किए जाने की शिकायत भी की। महिलाओं ने बताया कि सुनैना देवी का फूस का घर बाढ़ में ढह गया था, लेकिन उन्हें भी सहायता नहीं मिली। शिकायत सुनने के बाद अंचलाधिकारी ने कहा कि बाढ़ प्रभावितों के नाम सूची में दर्ज हैं और सरकार के निर्धारित प्रावधानों के अनुसार लाभ दिया जाएगा। इस दौरान अंचल कर्मियों ने महिलाओं की सूची तैयार कर समस्याएं दर्ज कीं। इसी बीच बगहा विधायक राम सिंह अंचल कार्यालय पहुंचे और महिलाओं की समस्याएं सुनकर उनके समाधान के लिए अंचलाधिकारी को आवश्यक निर्देश दिए। विधायक ने व्यक्तिगत स्तर पर कुछ आर्थिक सहायता भी दी और समस्या होने पर दूरभाष पर सूचना देने को कहा। मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष अचिंत्य कुमार लल्ला, जिला उपाध्यक्ष रितु जायसवाल, मनोज सिंह सहित ग्रामीण और महिलाएं उपस्थित रहे।

महिषासुर वध के जीवंत मंचन ने दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध, पारंपरिक रंगमंच की छाप अमिट

बीएनएम @ अरेराज

» **तीन दिनों तक मोबाइल से दूर होकर नाटक में डूबे रहे दर्शक, कलाकारों के दमदार अभिनय और युद्ध दृश्यों ने बांधा समां; असत्य पर सत्य और अहंकार पर शक्ति की जीत का दिया संदेश**

सोमेश्वरनाथ धाम, अरेराज में ब्रह्माकुमारी संस्था की ओर से आयोजित तीन दिवसीय नवरात्रि मेले में प्रस्तुत महिषासुर वध नाटक दर्शकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना रहा। दुर्गा चैतन्य झांकी के साथ तीनों दिन मंचित इस नाटक में कलाकारों के जीवंत अभिनय, सधे हुए संवाद, प्रभावशाली संगीत और रोमांचक युद्ध दृश्यों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। गीत, डांडिया और झिझिया नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियों के बीच महिषासुर वध नाटक ने अपनी अलग पहचान बनाई। इसे देखने के लिए प्रतिदिन बड़ी संख्या में दर्शक जुटते रहे। नाटक में महिषासुर की भूमिका निभाने वाले शिव प्रसाद गिरी ने अपने दमदार अभिनय से दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ी। लगभग छह फीट लंबे कद, मजबूत शरीर और राक्षसी वेशभूषा में सजे उनके चेहरे की क्रूर भाव-भंगिमाएं, आक्रामक संवाद और गर्जना भरी आवाज ने महिषासुर के चरित्र को जीवंत कर दिया। उनके अभिनय में रौद्रता और अहंकार का ऐसा प्रभाव दिखा कि दर्शक पूरे समय मंच पर होने वाली गतिविधियों से जुड़े रहे। वहीं, मां दुर्गा की भूमिका निभाने वाली कलाकार ने दिव्यता, शालीनता, साहस और शक्ति का प्रभावशाली समन्वय प्रस्तुत किया। शांत और तेजस्वी मुखमुद्रा का महिषासुर के सामने उग्र रूप में बदलना उनके अभिनय कौशल को दर्शाता रहा। महिषासुर की गर्जना के जवाब में मां दुर्गा की मधुर, किंतु ओजपूर्ण वाणी ने दृश्यों को और प्रभावशाली बना दिया। नाटक के संवाद चुस्त और प्रभावपूर्ण रहे। महिषासुर और मां दुर्गा के बीच शस्त्रों से हुआ युद्ध दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना। पृष्ठभूमि में गूंजते भयावह संगीत और युद्ध की ध्वनियों के बीच दर्शक खामोशी से हर दृश्य को सांस रोककर देखते रहे। नाटक में युद्ध का आरंभ मां दुर्गा की सवारी शेर के महिषासुर पर जोरदार आक्रमण से हुआ। शेर को कमजोर पड़ता देख मां दुर्गा स्वयं युद्धभूमि में उतर आईं और महिषासुर को ललकारते हुए युद्ध की चुनौती दी। महिषासुर ने अपने वरदान का हवाला देकर मां दुर्गा को पीछे हटने की सलाह दी, लेकिन वे अपने संकल्प पर अडिग रहीं। दोनों के बीच लगातार संघर्ष चलता रहा। युद्ध के रोमांचक दृश्यों और प्रभावशाली मंच संयोजन ने दर्शकों की उत्सुकता बनाए रखी। अंततः मां दुर्गा के त्रिशूल का प्रहार महिषासुर सहन नहीं कर सका और वह धराशायी हो गया। पराजय के बाद महिषासुर को अपने अहंकार और गलतियों का एहसास हुआ। उसने मां दुर्गा से बार-बार क्षमा याचना की। इस दृश्य ने दर्शकों को यह संदेश दिया कि अहंकार और बुराइयों का अंत निश्चित है। नाटक के समापन पर तालियों की गड़गड़ाहट से दर्शकों ने कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। सोशल मीडिया और मोबाइल के बढ़ते प्रभाव के दौर में इस नाटक की एक खास उपलब्धि यह रही कि तीनों दिन दर्शक मोबाइल की दुनिया से दूर होकर मंच पर हो रहे जीवंत अभिनय में पूरी तरह डूबे रहे। आमतौर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों में मोबाइल से वीडियो बनाने और तस्वीरें खींचने की होड़ दिखाई देती है, लेकिन यहां दर्शक प्रत्यक्ष प्रस्तुति का आनंद लेने में तल्लीन नजर आए। इसने साबित किया कि अभिनय में जीवंतता, संवादों में प्रभाव और प्रस्तुति में सांस्कृतिक गहराई हो तो दर्शकों को बांधने के लिए आधुनिक तकनीक का सहारा जरूरी नहीं है। पारंपरिक रंगमंच आज भी लोगों के दिलों में विशेष स्थान रखता है और अपनी सशक्त प्रस्तुति से नई पीढ़ी को भी आकर्षित कर सकता है। नाटक की मुख्य निर्देशक ब्रह्माकुमारी लक्ष्मी का परिश्रम और कुशल निर्देशन पूरी प्रस्तुति में स्पष्ट दिखाई दिया। सहयोगी निर्देशक के रूप में ब्रह्माकुमारी विभा और ब्रह्माकुमारी करुणा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कलाकारों के बीच बेहतर तालमेल, संवादों की स्पष्टता और युद्ध दृश्यों का प्रभावी संयोजन नाटक की सफलता के प्रमुख आधार रहे। दुर्गा चैतन्य झांकी की साज-सज्जा के अनुरूप कलाकारों ने भाव-भंगिमाओं, आकर्षक वेशभूषा और दमदार संवादों से पारंपरिक रंगमंच की यादें ताजा कर दीं। प्रस्तुति में रामलीला, सत्य हरिश्चंद्र और महिषासुर वध जैसे धार्मिक नाटकों की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की झलक देखने को मिली। आधुनिक दौर में पाश्चात्य वेशभूषा, रिकॉर्डेड संगीत पर आधारित नृत्य और मनोरंजन की बदलती शैलियों के बीच इस नाटक ने भारतीय धार्मिक कथाओं और पारंपरिक नाट्य प्रस्तुतियों की प्रासंगिकता को रेखांकित किया। यह संदेश भी सामने आया कि यदि प्रस्तुति प्रभावशाली हो तो पुरानी सांस्कृतिक परंपराएं आज भी नई पीढ़ी को सहज रूप से आकर्षित कर सकती हैं। आयोजन की एक उल्लेखनीय विशेषता यह रही कि नाटक के कलाकारों के साथ चैतन्य झांकी में दुर्गा, लक्ष्मी, सरस्वती और कार्तिक के स्वरूप में सजे कलाकार भी ब्रह्माकुमारी संस्था के नियमित योगाभ्यासी थे। आध्यात्मिक अभ्यास, अनुशासन और एकाग्रता का प्रभाव उनकी प्रस्तुति में दिखाई दिया। कलाकारों ने अपने अभिनय से जहां दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया, वहीं उन्हें धार्मिक कथा के आध्यात्मिक संदेश से भी जोड़ा। तीन दिनों तक दर्शकों को प्रत्यक्ष अभिनय के माध्यम से भारतीय सांस्कृतिक परंपरा और आध्यात्मिक मूल्यों से रूबरू होने का अवसर मिला। महिषासुर वध नाटक ने सहज, रोचक और प्रभावशाली अंदाज में असत्य पर सत्य, अहंकार पर विनम्रता तथा बुराइयों पर अच्छाइयों की जीत का संदेश दिया। अरेराज के इस आयोजन ने यह भी रेखांकित किया कि भारतीय संस्कृति की जड़ें आज भी समाज में गहरी हैं। जीवंत अभिनय, प्रभावी संवाद और पारंपरिक रंगमंच के माध्यम से धार्मिक कथाओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का यह प्रयास सांस्कृतिक संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हुआ। सोमेश्वरनाथ धाम में आयोजित इस नवरात्रि मेले में महिषासुर वध का मंचन केवल मनोरंजन का साधन नहीं रहा, बल्कि आस्था, आध्यात्मिकता और सांस्कृतिक विरासत को एक मंच पर प्रस्तुत करने वाला यादगार अनुभव भी बना।

बगहा में कई गिरफ्तार, 38 वारंट का निष्पादन

बीएनएम @ बगहा

बगहा पुलिस जिले में अपराध नियंत्रण एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए चलाए गए अभियान में कई आरोपितों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने शुक्रवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कार्रवाई की जानकारी दी। पटखौली थाना पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत रूपा देवी, फूलमति कुमारी और शत्रुधन कुमार यादव को गिरफ्तार किया। वहीं, वारंट के आधार पर भीखन चौधरी और छोटेलाल यादव को गिरफ्तार किया गया। बगहा थाना पुलिस ने बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत विजय यादव को गिरफ्तार किया तथा 87.5 मात्रा में देशी चुलाई शराब बरामद की। पिपरासी थाना पुलिस ने हरिओम यादव को गिरफ्तार किया। इस मामले में 69.120 मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद की गई। प्रेस विज्ञप्ति में शराब की मात्रा की इकाई स्पष्ट नहीं की गई है। लौकरिया थाना पुलिस ने बीएनएस की संबंधित धाराओं एवं बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत धीरज केवट और चंदन केवट को गिरफ्तार किया। चौतरवा थाना पुलिस ने बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत प्रेम राय तथा वारंट के आधार पर मुकेश राम उर्फ मुकेश कुमार को गिरफ्तार किया। इस दौरान बीएनएस की धारा 317(5) एवं पशु क्रूरता अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। कार्रवाई में एक चारपहिया वाहन, दो भैंस और पांच भैंस के बछड़े बरामद किए गए। भितहां थाना पुलिस ने बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत राजू सिंह को गिरफ्तार किया, जबकि वारंट के आधार पर बंशराज राम को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजने की कार्रवाई की गई। सेमरा थाना पुलिस ने वारंट के आधार पर जिउत यादव को थाना लाया, लेकिन बाद में रिकॉल के आधार पर उन्हें मुक्त कर दिया गया।

88.65 प्रतिशत मतदान, पश्चिम चंपारण में शांतिपूर्ण रही वोटिंग

बीएनएम @ बेतिया

बिहार विधान परिषद के 03, सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के लिए पश्चिम चंपारण जिले में शुक्रवार, 23 अक्टूबर 2026 को मतदान शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। जिले के सभी 18 प्रखंड परिसरों में बनाए गए मतदान केंद्रों पर मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। जिले में कुल 1701 मतदाता पंजीकृत थे, जिनमें से 1508 मतदाताओं ने मतदान किया। इस प्रकार कुल 88.65 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। मतदान करने वालों में 1283 पुरुष और 225 महिला मतदाता शामिल रहीं। मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन की ओर से व्यापक इंतजाम किए गए थे। सभी मतदान केंद्रों पर स्टेटिक फोर्स के साथ दंडाधिकारियों की तैनाती की गई थी। मतदान प्रक्रिया की निगरानी के लिए जोनल अधिकारियों को भी जिम्मेदारी सौंपी गई थी। मतदान के दौरान जिलाधिकारी एवं वरीय पुलिस अधीक्षक ने विभिन्न मतदान केंद्रों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

आबादी तेजी से बुढ़ापे की ओर

मूडीज का जनसंख्या विमर्श इस लिहाज से उपयोगी है कि इससे फिर ध्यान इस ओर गया है, लेकिन यह एकांगी है क्योंकि मूडीज ने विकसित देशों की कसौटियां भारत पर लागू करने की कोशिश की हैं। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मूडीज ने भारत की जनसंख्या संचरना में आ रहे बदलाव का उपयोगी, लेकिन एकांगी विश्लेषण प्रस्तुत किया है। यह उपयोगी इस लिहाज से है कि इससे फिर देश का ध्यान इस रुझान की तरफ गया है, लेकिन यह एकांगी है क्योंकि मूडीज ने सुझाव देते वक्त विकसित देशों की कसौटी भारत पर लागू करने की कोशिश की है। उसने ध्यान दिलाया है कि भारत की प्रजनन दर अब अपेक्षित प्रतिस्थापन स्तर (2.1) से नीचे गिर चुकी है। इस कारण आने वाले दशकों में भारत की आबादी तेजी से बुढ़ापे की ओर बढ़ेगी। फिलहाल आबादी अपेक्षाकृत युवा है, लेकिन देश के जनसांख्यिकीय ढांचे में बदलाव शुरू हो चुका है। इस तरह भारत अब उसी रास्ते पर है, जिस पर यूरोप और पूर्वी एशिया के देश पहले पहुंच चुके हैं। बहरहाल, इसके बाद मूडीज ने जो कहा है, वे घिसी-पिटी बातें हैं। मसलन, उसके मुताबिक आबादी के उम्रदराज होने से कामकाजी लोगों की संख्या में वृद्धि दर धीमी होगी, जिससे कुल आर्थिक विकास प्रभावित हो सकता है। कम कामकाजी लोगों पर अधिक संख्या में रिटायर्ड हो चुके बुजुर्गों को संभालने का बोझ बढ़ेगा, जिससे सरकारी खजाने, पेंशन प्रणाली, और स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाव बहुत ज्यादा बढ़ जाएगा। उधर उपभोक्ता बाजार में मांग घटने की समस्या आएगी। लोगों के बूढ़े होने से देश में बचत, निवेश, और वित्तीय बाजारों के ढांचे में बड़ा बदलाव आएगा। मगर ये बातें उन देशों में अधिक प्रासंगिक मालूम पड़ेंगी, जो अपनी श्रम शक्ति का पूरा उपयोग कर पा रहे हों। साथ ही जहां सामाजिक सुरक्षा का दुरुस्त इंतजाम हो। भारत कथित डेमोग्राफिक डिविडेंड (युवा आबादी के लाभ) के दौर में भी अपने कुशल एवं शिक्षित युवा हाथों को काम मुहैया करा पाने में नाकाम रहा है। इस कारण आबादी की तुलना में यहां का उपभोक्ता बाजार सीमित बना हुआ है, जो हाल के वर्षों में और अधिक असंतुलित हो गया है। देश में सामाजिक सुरक्षा व्यक्तियों की अपनी पूर्व योजना या फिर कैश ट्रांसफर के जरिए वोट खरीद योजनाओं पर निर्भर हैं। इन हकीकतों के बीच आबादी के पश्चिमी विमर्श की यहां न्यूनतम प्रासंगिकता ही है।

रेल नेटवर्क के विस्तार से बदल रही छत्तीसगढ़ की कनेक्टिविटी

धनंजय राठौर

-औद्योगिक विकास को मिलेगी नई गति
-प्रदेश में 51 हजार 80 करोड़ रुपये की रेल परियोजनाओं पर काम जारी
-नए रेल कॉरिडोर से माल ढुलाई, औद्योगिक कनेक्टिविटी और आदिवासी अंचलों के विकास को मिलेगी गति

छत्तीसगढ़ में आधारभूत रेल अधोसंरचना का तेजी से विकास हो रहा है, जिसका लाभ प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र और प्रत्येक नागरिक तक पहुंच रहा है। आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित रेलवे स्टेशनों के विकसित होने से यात्रियों को अधिक सुरक्षित, सुगम और सुविधाजनक यात्रा का अनुभव मिलेगा। बेहतर प्रतीक्षालय, दिव्यांगजन अनुकूल सुविधाएं, स्वच्छ परिसर, आधुनिक यात्री सुविधाएं तथा उन्नत अधोसंरचना से आम नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण रेल सेवाएं उपलब्ध होंगी।

देश के प्रमुख औद्योगिक औरखनिज उत्पादक राज्यों मेंशामिल छत्तीसगढ़ में रेलवेः नेटवर्क का विस्तार अब राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी की जरूरतों से जुड़ रहा है। वर्तमान में प्रदेश में 51,080 करोड़ रुपये की रेल परियोजनाओं पर काम चल रहा है। छत्तीसगढ़ मध्य भारत का महत्वपूर्ण औद्योगिक एवं लॉजिस्टिक्स केंद्र है। ऐसे में मजबूत रेल नेटवर्क प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई गति देगा। रेलवे के विकास से उद्योगों की परिवहन लागत कम होगी, निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा, ऊर्जा क्षेत्र को मजबूती मिलेगी, किसानों को बेहतर बाजार उपलब्ध होंगे तथा युवाओं के लिए रोजगार और उद्यमिता के नए अवसर सृजित होंगे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि डबल इंजन सरकार के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में रेल अधोसंरचना का अभूतपूर्व विस्तार हो रहा है। प्रदेश में नई रेल परियोजनाओं, दोहरीकरण, विद्युतीकरण तथा आधुनिक रेलवे सुविधाओं के विस्तार से विकास को नई दिशा मिल रही है। यह परिवर्तन विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के संकल्प को और अधिक मजबूत करेगा। केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयास से छत्तीसगढ़ में रेल इन्फ्रास्ट्रक्चर के विस्तार पर जोर दिया जा रहा है। केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए राज्य के रेलवे बजट का आवंटन बढ़ाकर 7,470 करोड़ रुपये कर दिया है जो वर्ष 2009-14 के दौरान औसतन 311 करोड़ रुपये सालाना था। इस तरह वार्षिक औसत आवंटन में करीब 24 गुना वृद्धि हुई है। इस निवेश का प्रमुख उद्देश्य व्यस्त रेल मार्गों पर दबाव कम करना, खनिज और औद्योगिक माल की आवाजाही बढ़ाना तथा उन क्षेत्रों तक रेल संपर्क पहुंचाना है, जहां अब तक कनेक्टिविटी सीमित रही है।

राष्ट्रीय माल ढुलाई को मिलेगा वैकल्पिक रेल मार्गः छत्तीसगढ़ की रेल रणनीति में खरसिया-नया रायपुर-परमलकसा रेल कॉरिडोर महत्वपूर्ण है। करीब 278 किलोमीटर लंबे इस मार्ग को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अप्रैल 2025 में मंजूर दी थी। तब इस परियोजना की लागत 8,741 करोड़ रुपये अनुमानित थी। बाद में इसमें संशोधन किया गया और इसकी अनुमानित लागत 7,854 करोड़ रुपये कर दी गई। इस परियोजना का उद्देश्य बिलासपुर, रायपुर और दुर्ग के व्यस्त रेल खंडों को बाईपास कर माल और यात्री ट्रेनों के लिए अतिरिक्त रेल लाईन बिछाना है। इस कॉरिडोर से कोलकाता-मुंबई रेल मार्ग पर परिचालन का दबाव कम करने और बलौदाबाजार सहित नए औद्योगिक क्षेत्रों को बेहतर रेल संपर्क देने की योजना है। इससे कोयला, लौह अयस्क, इस्पात, सीमेंट और बिजली उत्पादन से जुड़े उद्योगों के लिए माल ढुलाई की क्षमता बढ़ेगी और सड़क मार्ग पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी।साथ ही, मालगाडि़यों की आवाजाही सुगम होने से औद्योगिक इकाइयों को बाजारों तथा बंदरगाहों तक आसानी से पहुंचने में मदद मिलेगी।

बस्तर की कनेक्टिविटी होगी मजबूतः रेल नेटवर्क के विस्तार का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू बस्तर की कनेक्टिविटी है। रावघाट-जगदलपुर (140 किमी)की महत्वपूर्ण रेल लाइन के लिए भूमि अधिग्रहण पूरा हो चुका है। जबकि किरंदुल-कोत्तागुडेम (180 किमी) तथा गढ़चिरौली-बीजापुर-किरंदुल (बचेली) की 490 किलोमीटर नई रेल लाइन परियोजना का सर्वे कार्य प्रगति पर। दल्लीराजहरा-रावघाट रेल परियोजना के तहत दल्लीराजहरा से अंतागढ़ (77 किमी) तक रेल सेवाएं शुरू हो चुकी हैं। इस रेलखंड पर यात्री रेल सेवा प्रारंभ होने से हजारों ग्रामीण पहली बार रेल नेटवर्क से जुड़े हैं। इस परियोजना के अगले चरण में रावघाट तक संपर्क विकसित करने का काम चल रहा है। परियोजना पूरी होने पर रावघाट की लौह अयस्क खदानें सीधे भिलाई इस्पात संयंत्र से जुड़ जाएंगी, जिससे उद्योगों और स्थानीय अर्थव्यवस्था दोनों को नई मजबूती मिलेगी। वहीं कोत्तावलसा-किरंदुल रेल लाइन के दोहरीकरण से बस्तर क्षेत्र में माल एवं यात्री परिवहन की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

कटघोरा से डोंगरगढ़ तक नए संपर्क की योजनाः प्रस्तावित कटघोरा-डोंगरगढ़ रेल लाइन की लंबाई करीब 295 किलोमीटर है। यह मार्ग कटघोरा से करतला, मुंगेली, कवर्धा और खैरागढ़ होते हुए डोंगरगढ़ तक प्रस्तावित है। परियोजना को रेल मंत्रालय और छत्तीसगढ़ सरकार के संयुक्त उपक्रम के माध्यम से विकसित करने की योजना है। इसके लिए स्पेशल परपज व्हीकल (एसपीवी) गठित करने का प्रस्ताव है। इस रेल लाइन का महत्व उन क्षेत्रों को रेल नेटवर्क से जोडऩे में है, जहां अभी रेल सुविधा उपलब्ध नहीं है या सीमित है। इससे यात्रियों की आवाजाही, कृषि उत्पादों के परिवहन, व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा मिलने की संभावना है।

उत्तर छत्तीसगढ़ के लिए भी नई परियोजनाएंःसरडेगा-पत्थलगांव-अंबिकापुर (244 किलोमीटर), धरमजयगढ़-पत्थलगांव-लोहरदगा (301 किलोमीटर) और अंबिकापुर-बरवाडीह (200 किलोमीटर) रेल कॉरिडोर को भी रेल मंत्रालय द्वारा जल्दी ही मंजूर किए जाने की संभावना है। अगस्त 2026 में इन प्रस्तावों पर जल्दी निर्णय और सर्वेक्षण की प्रक्रिया तेज करने का मुद्दा उठाया गया था। इन परियोजनाओं से उत्तर छत्तीसगढ़ सहित सीमावर्ती क्षेत्रों की रेल संपर्क व्यवस्था मजबूती होगी तथा व्यापार, पर्यटन, खनिज परिवहन और स्थानीय रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

स्टेशनों का आधुनिकीकरणः छत्तीसगढ़ में नई रेल लाइनों के साथ मौजूदा नेटवर्क और स्टेशनों को आधुनिक बनाने पर भी काम किया जा रहा है। राज्य सरकार के अनुसार, अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत छत्तीसगढ़ के 32 रेलवे स्टेशनों को करीब 1,680 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया जा रहा है। इन परियोजनाओं का उद्देश्य यात्रियों के लिए सुविधाएं बेहतर करना और स्टेशन परिसरों को अधिक व्यवस्थित बनाना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में रेल अधोसंरचना का व्यापक आधुनिकीकरण हो रहा है और इसका प्रत्यक्ष लाभ छत्तीसगढ़ को भी मिल रहा है। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के चांपा, बालोद एवं सरोना रेलवे स्टेशनों का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वर्चुअल लोकार्पण प्रदेश के रेल विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस जनहितकारी पहल के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के प्रति आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि रेलवे केवल आवागमन का माध्यम नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक विकास का सशक्त आधार है। चांपा, बालोद और सरोना जैसे महत्वपूर्ण स्टेशनों के उन्नयन से व्यापार, पर्यटन, स्थानीय अर्थव्यवस्था तथा क्षेत्रीय विकास को नई गति मिलेगी। इससे लोगों के लिए आवागमन अधिक सुगम होगा और रोजगार एवं आर्थिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

लेखक संयुक्त संचालक, जनसंपर्क संचालनालय, रायपुर हैं।

विदेशी साजिश के आरोपों में नया क्या है?

अजीत द्विवेदी

एक शेर है कि 'सैफ अंदाज ए बयां से बदल जाती है बात, वरना इस दुनिया में कोई बात नई बात नहीं होती0। गालिब ने भी कहा है कि उनका अंदाज ए बयां बाकी सुखनवरों से अलग है। कहने का मतलब है कि बात भले नई नहीं हो लेकिन अगर उसे अलग अंदाज में कहा जाए तो सुनने वाले को अच्छा लगता है और संदेश दूर तक जाता है। परंतु राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ, आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत ने संघ की स्थापना के शताब्दी वर्ष के समापन समारोह में मंगलवार, 20 अक्टूबर को जो कहा उसमें न तो कुछ नया था और न कहने का अंदाज अलग था। उनके भाषण में मुख्य रूप से दो बातों पर जोर दिया गया। पहली, भारत में हो रहे प्रदर्शन देश विरोधी ताकतों की साजिश हैं और दूसरी, दुनिया के कुछ देश भारत की बढ़ती ताकत से जलते हैं और इसे पसंद नहीं करते इसलिए साजिश के तहत भारत में माहौल बिगाडऩे की कोशिश कर रहे हैं। ये दोनों बातें भाजपा के प्रवक्ता हर जगह कह रहे हैं।

भाजपा के नेता कह रहे हैं और संघ प्रमुख ने भी दोहराया कि दुनिया के कुछ देश भारत की तरक्की से जलते हैं और इसे पसंद नहीं कर रहे हैं। यह बहुत पुराना नैरेटिव है। कांग्रेस का शासन रहा हो या समाजवादियों का या भाजपा का, हर सरकार विदेशी साजिश के आरोप लगाती रही है। आमतौर पर अपनी कमियों को ढकने और जनता की आंख में धूल झोंकने के लिए सरकारें इस नैरेटिव का इस्तेमाल करती हैं। हालांकि ऐसा नहीं है कि दुनिया के देश एक दूसरे के खिलाफ साजिश नहीं करते हैं। अमेरिका और रूस का शीतयुद्ध सारी दुनिया जानती है। इस समय भी अमेरिका और चीन एक दूसरे से दोस्ती भी दिखा रहे हैं और दांवपेंच भी चल रहे हैं। पश्चिम एशिया के देशों के बीच कूटनीतिक और सैन्य दोनों टकराव चल रहा है। उत्तर व दक्षिण कोरिया के बीच हर तरह की साजिशें चल रही हैं। चीन और जापान टकराने की हद तक तनाव में हैं। पूर्वी एशिया के कई अन्य देश भी चीन की साजिशों से परेशान हैं। अगर यह बताने बैठा जाए कि कौन सा देश किसी देश के खिलाफ और देशों का कौन सा समूह किसके खिलाफ साजिश कर रहा है तो कई पन्ने भर जाएंगे। लेकिन भारत में इस बात को ऐसे कहा जा रहा है, जैसे यह कोई अद्वितीय या अभूतपूर्व बात है, जैसे पहले कभी किसी देश के साथ ऐसा नहीं हुआ है।

अगर भारत की ही बात करें तो पाकिस्तान राष्ट्र नीति के तौर पर आतंकवाद को प्रश्रय देता है और भारत के खिलाफ छद्म युद्ध चलाता है। सारी दुनिया इस बात को जानती है। लेकिन संघ प्रमुख उसका जिक्र नहीं कर रहे थे। वे बहुत अमूर्त अंदाज में कह रहे थे। फिर भी अंदाजा लगाया जा सकता है कि वे अमेरिका की बात कर रहे थे, जहां हाल के दिनों में वे लंबे प्रवास पर गए थे और वहां के भारतवंशियों को यह नसीहत देकर आए थे वे जिस देश में रहते हैं उसका सम्मान करें और उसके सच्चे नागरिक बन कर काम करें। दूसरी ऐसी ताकत चीन हो सकता है, जिसे भारत की तरक्की पसंद नहीं हो। अब इस नैरेटिव में दो बातों का जवाब तलाशना होगा। पहली बात तो यह कि भारत ने ऐसी क्या तरक्की की है, जिससे अमेरिका और चीन परेशान हो गए हैं और दूसरी अगर दो महाशक्तियां या कोई अन्य देश भी भारत के खिलाफ साजिश कर रहा है तो भारत क्या कर रहा है? वास्तविकता यह है कि भारत ने कोई खास तरक्की नहीं की है। भारत आज भी दुनिया के सबसे गरीब देशों में शामिल है। सबसे कम प्रति व्यक्ति आय वाले देशों में शामिल है तो सबसे खराब स्वास्थ्य व शिक्षा व्यवस्था वाले देशों में भी शामिल है। मानव विकास सूचकांक के हर पैमाने पर भारत बहुत नीचे है। 80 करोड़ लोगों को तो सरकार खुद पांच किलो अनाज दे रही है।

सोचें, एक तरफ यह दावा किया जा रहा था कि भारत अब विश्वगुरू हो गया है, दुनिया में भारत का सम्मान पहले से ज्यादा हो गया है, दुनिया अब भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बात ज्यादा ध्यान से सुनती है और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तो यहां तक दावा किया कि किसी भी बड़े मुद्दे पर दुनिया के देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राय के बगैर फैसला नहीं करते हैं। फिर इस रोने, कलपने का क्या मतलब है कि कुछ देश साजिश कर रहे हैं? जहां तक दूसरी बात का सवाल है तो अमेरिका, चीन या दूसरा कोई देश साजिश कर रहा है तब भी भारत कुछ नहीं कर रहा है। चीन के साथ भारत का व्यापार बढ़ रहा है और व्यापार घाटा भी बढ़ रहा है। दुनिया के सामरिक जानकार मान रहे हैं कि भारत अपनी आर्थिक जरुरतों के लिए खतरनाक रूप से चीन पर निर्भर होता जा रहा है। ऐसे ही अमेरिका एक निर्देश पर तेल खरीदने और बंद करने के फैसले करा रहा है। असल में विश्वगुरू होने के नैरेटिव की पोल धीरे धीरे खुल रही है। उसके बाद ही यह नैरेटिव लाया गया है कि दुनिया के देश भारत की तरक्की से जलते हैं और साजिश कर रहे हैं।

अब संघ प्रमुख की पहली बात पर ध्यान दें तो उसमें भी कुछ नया नहीं है। भारत में प्रदर्शन करने वालों और सरकार से असहमति रखने वालों को विदेशी एजेंट बताना भी सत्ता पक्ष का पुराना शगल है। जयप्रकाश नारायण ने इंदिरा गांधी की सरकार के खिलाफ आंदोलन शुरू किया तो उनको अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए का एजेंट कहा गया था। तब संघ और जनसंघ सब जेपी के साथ थे और इस आरोप का विरोध किया था। लेकिन अब अपनी सत्ता के 12 साल हो गए तो हर प्रतिरोध, हर असहमति विदेशी साजिश लगने लगी है। चाहे किसानों का आंदोलन हो या पहलवानों का आंदोलन हो या नौजवानों का आंदोलन है। हर आंदोलन के पीछे विदेशी साजिश होने के आरोप लगाए गए। सोचें, यह कितनी हैरानी की बात है कि कॉकरोच जनता पार्टी के जून और जुलाई के प्रदर्शन के बाद देश में 'जेन जी0 की चर्चा शुरू हुई तो संघ प्रमुख मोहन भागवत ने मुंबई में युवाओं के एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया, जहां उन्होंने कहा कि यह पीढ़ी पुरानी पीढ़ी से ज्यादा देशभक्त है और उसके दो महीने बाद युवाओं के आंदोलन को विदेशी ताकतों की साजिश बता रहे हैं! कह सकते हैं कि असहमति और प्रतिरोध को संभालने का कोई और तरीका नहीं सूझ रहा है तो उसे विदेशी साजिश बता कर डिसक्रेडिट करने का प्रयास किया जा रहा है।

आज का राशिफल

मेष राशि : आज आपका दिन बढिय़ा रहेगा। दोपहर तक आपको कोई अच्छी खबर मिल सकती है। विरोधी आज आपके बारे मे अफवाहें फ़ैलाने के लिए तैयार बैठे हैं ऐसा कोई मौका ही न दें। आपकी प्रतिभा मान-सम्मान बढ़ाने में कारगर साबित हो सकती है। आपको कुछ ऐसे काम दिए जायेंगे, जिन्हें आप आसानी से पूरा कर लेंगे।

वृष राशि : आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज पूरा दिन माता-पिता के साथ बितेगा। जिन सीमित विचारों की वजह से आप विचार के दायरे से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं, आज उन्हें तोड़कर जीवन में बदलाव लाने में सफल होंगे। आज सरकारी काम या कोर्ट संबंधित कामों को आगे बढ़ाने की कोशिश करेंगे। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन अनुकूल रहेगा, एग्जाम से रिलेटेड शुभ समाचार मिल सकता हैं।

मिथुन राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। राजनीति से जुडे लोगों के लिए आज का दिन अच्छा है समाज हित में किये गये कामों की तारीफ़ होगी। आज कार्यस्थल पर लोगों के साथ जुड़े रहने की और मिलने-जुलने की कोशिश करेंगे, लेकिन अपने विचारों में किसी भी प्रकार का बदलाव सोच-समझकर करें। पिछली बातों से मिली सीख को आज ध्यान में रखेंगे। स्वास्थ्य आज पहले से काफी अच्छा रहेगा।

कर्क राशि : आज आपके दिन की शुरुआत खुशियों से भरी होगी। आज अन्य लोगों की समस्याओं को सुलझाने पर आपका ध्यान रहेगा, आज का दिन दोस्तों के साथ मौज-मस्ती में बितेगा, आप उसके साथ बाहर जा सकते है जहां किसी दूर के रिश्तेदार से आपकी मुलाकात होगी। परिवार के साथ रात का डिनर बाहर करने का मन बनायेंगे।

सिंह राशि : आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे। आप जिन कामों को करने के लिए सोचेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फायदा दे सकते हैं। आज के दिन की शुरुआत शुभ संकल्पों से होगी। जो लोग मिट्टी के व्यवसाय से जुड़े है, उनके लिए आज का दिन फायदेमंद रहेगा। बिजनेस बढ़ाने की योजनाओं पर अमल करने के लिए आज का दिन अच्छा है।

कन्या राशि: आज भाग्य का आपको पूरा-पूरा साथ मिलेगा। ऑफिस में अपनी प्रगति के बारे में विचार करेंगे। आज शांति से कामकाज निपटाने की कोशिश करेंगे तो बिना गड़बड़ के काम समय से पूरा हो जायेगा। आज आप पुरानी देनदारी निपटा सकते हैं। आज आपको दूसरों का मूड समझने में बहुत हद तक सफलता मिलेगी।

तुला राशि : आज आपका दिन शानदार रहेगा। ऑफिस के किसी काम को लेकर बॉस आपको सलाह देंगे, जो आपके लिए कारगर साबित होगा। आज किसी से भी बेवजह मजाक करने से आपको बचना चाहिए। आज महत्वपूर्ण काम पूरा होने से मन खुश रहेगा। आज कुछ नये मौके और नये विचार सामने आयेंगे, जिन्हें आप खुले मन से स्वीकार करेंगे। आज आप ज्यादातर मामलों में खुद को भाग्यशाली महसूस करेंगे।

वृश्चिक राशि : आज आपका दिन लकी रहेगा। आज आप जो भी करें, अच्छे से समझकर करें, फायदा होगा । सरकारी कामों में किसी अनुभवी से सलाह मिल सकती है, जो आपके बहुत काम आ सकती है । इस राशि के जो लोग कोचिंग संचालक हैं, उनके लिये अपने काम में कुछ बदलाव करने का आज अच्छा दिन है।

धनु राशि : आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। अपने व्यक्तित्व को निखारने के लिए आज का दिन बढिय़ा है। आज आपको किसी सम्मानित व्यक्ति से मिलने का मौका मिल सकता है। इस राशि के कांट्रेक्टर के लिए आज का दिन धनलाभ देने वाला है। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

मकर राशि :आज का दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज थोड़ी मेहनत से किसी बड़े फायदे का योग बन रहा है। जीवनसाथी की मदद से आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। आज किसी समारोह में जाने का प्लान बनायेंगे, जहां किसी दूर के रिश्तेदार से आपकी मुलाकात हो सकती है। आज आपके व्यव्हार में सकारात्मक बदलाव आयेगा, जिससे जीवनसाथी बेहद प्रसन्न रहेंगे।

कुंभ राशि : आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज किसी ऐसे मित्र से कॉल पर बात होगी, जिससे पुरानी यादें ताजा हो जाएगी। आज पिछली बातों की वजह से मन उलझन में रहेगा, लेकिन जल्द ही सब ठीक हो जायेगा। प्रॉपर्टी डीलर के लिए आज का दिन फायदा देने वाला है, इससे आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा।

मीन राशि : आज आपका दिन नई सौगात लेकर आया है। आज करियर संबंधी शुभ समाचार मिलेगा, जिससे घर का वातावरण खुशनुमा हो जायेगा। सेहत आज फिट रहेगी। मन में पैसों को लेकर कई तरह के विचार आ सकते हैं। जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने के लिए समय बेहतर है। ऑफिसियल यात्रा का कार्यक्रम बन सकता हैं।

नशामुक्त उत्तराखंड की दिशा में गुटखा-तंबाकू प्रतिबंध जरूरी

सौरभ वार्ष्णेय

युवाओं का स्वास्थ्य, प्रशासन की जवाबदेही और प्रतिबंध के प्रभावी क्रियान्वयन से ही साकार होगा । स्वस्थ देवभूमि का संकल्प धामी सरकार के लिए अच्छे दिशा में ले जाने वाला निर्णय है। उत्तराखंड को देवभूमि कहा जाता है। इसकी पहचान केवल धार्मिक आस्था, आध्यात्मिक परंपराओं और प्राकृतिक सौंदर्य तक सीमित नहीं है, बल्कि स्वस्थ समाज और संस्कारित युवा पीढ़ी भी इसकी वास्तविक शक्ति है। ऐसे में गुटखा, पान मसाला और तंबाकू उत्पादों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कदम को केवल सरकारी आदेश के रूप में नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जाना चाहिए। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार ने इन उत्पादों के निर्माण और बिक्री पर एक वर्ष का प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया है। इसका उद्देश्य युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाना और समाज को तंबाकू के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना है। तंबाकू का सेवन आज एक गंभीर सामाजिक और स्वास्थ्य संबंधी चुनौती बन चुका है। गुटखा और अन्य तंबाकू उत्पादों की आसान उपलब्धता के कारण बड़ी संख्या में लोग इसकी आदत का शिकार हो जाते हैं। विशेष रूप से किशोरों और युवाओं में इसका बढ़ता प्रचलन चिंता का विषय है। शुरुआत अक्सर शौक, मित्रों के दबाव या प्रयोग के रूप में होती है, लेकिन धीरे-धीरे यह आदत स्वास्थ्य और आर्थिक जीवन दोनों को प्रभावित करने लगती है। तंबाकू का सेवन मुंह के कैंसर सहित कई गंभीर बीमारियों का जोखिम बढ़ाता है। इससे न केवल व्यक्ति का जीवन प्रभावित होता है, बल्कि परिवार पर उपचार का आर्थिक बोझ भी पड़ता है। ऐसी स्थिति में सरकार का दायित्व केवल कानून बनाना नहीं, बल्कि लोगों को उन परिस्थितियों से बचाना भी है जो उन्हें गंभीर बीमारियों और व्यसनों की ओर धकेलती हैं। यदि प्रतिबंध के माध्यम से तंबाकू उत्पादों की उपलब्धता कम होती है और युवाओं को इनके सेवन से दूर रखने में मदद मिलती है, तो यह जनहित में महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी। हालांकि, किसी भी प्रतिबंध की सफलता उसके घोषित उद्देश्य से नहीं, बल्कि जमीन पर दिखाई देने वाले परिणामों से तय होती है। सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती इस निर्णय को प्रभावी ढंग से लागू करने की होगी। केवल अधिसूचना जारी कर देने से बाजार में तंबाकू उत्पादों की उपलब्धता समाप्त नहीं हो जाती। इसके लिए निर्माण इकाइयों, थोक विक्रेताओं, दुकानों और वितरण व्यवस्था पर नियमित निगरानी आवश्यक है। यदि प्रतिबंधित उत्पाद चोरी-छिपे बिकते रहे, तो सरकारी निर्णय का अपेक्षित लाभ नहीं मिल पाएगा। प्रशासन को

यह सुनिश्चित करना होगा कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई हो। साथ ही, प्रतिबंध के नाम पर अनावश्यक उत्पीडऩ या मनमानी की गुंजाइश भी नहीं होनी चाहिए। कार्रवाई पारदर्शी, निष्पक्ष और कानूनसम्मत होनी चाहिए। संबंधित विभागों के बीच समन्वय तथा आम जनता की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई से इस अभियान को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। यह भी जरूरी है कि प्रतिबंध के दौरान अवैध बिक्री और दूसरे उत्पादों के नाम पर प्रतिबंधित सामग्री की आपूर्ति जैसी संभावित चुनौतियों पर नजर रखी जाए। सरकार को समय-समय पर इसकी समीक्षा करनी चाहिए, ताकि यह पता चल सके कि प्रतिबंध से वास्तव में खपत में कितनी कमी आई और युवाओं को कितना लाभ मिला। किसी भी नशे की आदत को केवल कानूनी कार्रवाई से पूरी तरह समाप्त नहीं किया जा सकता। तंबाकू की लत से जूझ रहे लोगों को परामर्श, उपचार और परिवार के सहयोग की भी आवश्यकता होती है। इसलिए राज्य सरकार को स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाने चाहिए। युवाओं को तंबाकू के नुकसान समझाने के साथ-साथ खेल, शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के अवसरों से जोडऩा भी जरूरी है। मुख्यमंत्री धामी ने युवाओं को प्रगति के अवसर उपलब्ध कराने पर जोर दिया है। इस दिशा में सरकार को ठोस कार्यक्रमों के माध्यम से आगे बढऩा चाहिए। जब युवाओं के सामने बेहतर भविष्य के विकल्प होंगे, तब वे नकारात्मक आदतों से दूर रहने के लिए अधिक प्रेरित होंगे। नशामुक्ति केंद्रों, स्वास्थ्य सेवाओं और परामर्श सुविधाओं को मजबूत बनाना भी इस अभियान का अभिन्न हिस्सा होना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नशामुक्त भारत के संकल्प को साकार करने के लिए राज्यों की भूमिका महत्वपूर्ण है। उत्तराखंड जैसे राज्य में, जहां पर्यटन, तीर्थाटन और आध्यात्मिक जीवन की विशेष पहचान है, वहां स्वस्थ जीवनशैली का संदेश और भी व्यापक प्रभाव डाल सकता है। लेकिन नशामुक्ति का अर्थ केवल गुटखा और तंबाकू तक सीमित नहीं होना चाहिए। शराब, मादक पदार्थों और अन्य व्यसनों से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए भी जागरूकता, रोकथाम और पुनर्वास की समग्र नीति आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने प्रशासनिक बैठक में मानसून के बाद जनजीवन सामान्य बनाने और खराब सड़कों की शीघ्र मरम्मत के निर्देश भी दिए हैं। यह विषय भी उतना ही महत्वपूर्ण है। उत्तराखंड में बारिश, भूस्खलन और क्षतिग्रस्त सड़कों के कारण अनेक क्षेत्रों में आवागमन प्रभावित होता है। ग्रामीणों, विद्यार्थियों, मरीजों और तीर्थयात्रियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसलिए सड़कों की मरम्मत केवल विकास कार्य नहीं, बल्कि जनसुरक्षा और आवश्यक सेवाओं की उपलब्धता से जुड़ा विषय है। जन चौपाल, रात्रि चौपाल और तहसील दिवस के माध्यम से जनता की समस्याएं सुनने का निर्देश भी तभी सार्थक होगा, जब अधिकारी वास्तव में गांवों और दूरदराज के क्षेत्रों तक पहुंचें। जनता को बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण हो। सीमावर्ती क्षेत्रों में विकास कार्यों की निगरानी, बुनियादी सुविधाओं का विस्तार और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना भी सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल रहना चाहिए। लोकतंत्र में सरकार की विश्वसनीयता घोषणाओं से नहीं, बल्कि उनके क्रियान्वयन से बनती है। गुटखा और तंबाकू पर एक वर्ष का प्रतिबंध एक महत्वपूर्ण पहल हो सकती है, लेकिन इसका वास्तविक मूल्यांकन तभी संभव है जब बाजार में उपलब्धता घटे, युवाओं में सेवन कम हो और स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बढ़े। उत्तराखंड देवभूमि को नशामुक्त बनाने की जिम्मेदारी केवल सरकार या प्रशासन की नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग की है। अभिभावकों, शिक्षकों, सामाजिक संगठनों, व्यापारियों और युवाओं को भी इसमें अपनी भूमिका निभानी होगी। सरकार को प्रतिबंध के प्रभावों की नियमित समीक्षा कर उसके परिणाम जनता के सामने रखने चाहिए। यदि सख्त निगरानी, जनजागरूकता, उपचार और बेहतर अवसरों को साथ लेकर चला जाए, तो यह पहल स्वस्थ उत्तराखंड की दिशा में ठोस कदम बन सकती है। देवभूमि की असली पहचान तभी मजबूत होगी, जब यहां की युवा पीढ़ी नशे से मुक्त, स्वस्थ, शिक्षित और अपने भविष्य के प्रति आश्वस्त होगी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।)

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

चोट के कारण दूसरे टी20 से बाहर हुए ईशान किशन, वैभव सूर्यवंशी को मिल सकता है मौका

एजेंसी, क्राइस्टचर्च

भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन न्यूजीलैंड के खिलाफ शनिवार, 24 अक्टूबर को होने वाले दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले से बाहर हो गए हैं। उन्हें दाहिनी जांघ की मांसपेशी में खिंचाव आया है। यह चोट उन्हें श्रृंखला के पहले मुकाबले के दौरान लगी थी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी स्थिति पर नजर रख रही है। ईशान की चोट के कारण ही भारत ने पहले टी20 मुकाबले में अपने बल्लेबाजी क्रम में बदलाव किया था। उनके नियमित तीसरे नंबर पर तिलक वर्मा को बल्लेबाजी के लिए भेजा गया, जबकि ईशान पांचवें नंबर पर उतरे। हालांकि, ईशान तीन गेंदों पर एक रन बनाकर मिचेल सैंटनर की गेंद पर बाउंड्री के पास कैच आउट हो गए। तिलक वर्मा भी 11 गेंदों पर छह रन बनाकर माइकल ब्रेसवेल का शिकार बने। भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने पहले मुकाबले के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया था कि ईशान की कमर के पास मांसपेशी में खिंचाव है। उन्होंने कहा कि बल्लेबाजी क्रम में बदलाव किसी रणनीतिक फैसले के तहत नहीं, बल्कि ईशान की चोट के कारण किया गया था। कोटक ने उस समय ईशान के एक मुकाबले से बाहर रहने की आशंका जताई थी। ईशान की जगह अंतिम एकादश में वैभव सूर्यवंशी को मौका मिलने की संभावना है। वैभव पिछले चार टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में भारतीय टीम की अंतिम एकादश से बाहर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने भारत के एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक अभियान के दौरान सेमीफाइनल और फाइनल में हिस्सा लिया था। कोटक ने कहा कि यदि ईशान पूरी तरह फिट होकर वापसी नहीं कर पाते हैं और मेडिकल टीम उन्हें खेलने की अनुमति नहीं देती, तो बल्लेबाज के रूप में वैभव सूर्यवंशी विकल्पों में शामिल होंगे। उन्होंने वैभव को इस भूमिका के लिए मजबूत दावेदार बताया। भारतीय टीम में शामिल दूसरे बल्लेबाज शिवम दुबे हैं, लेकिन वह तेज गेंदबाजी करने वाले हरफनमौला खिलाड़ी हैं। भारत ने श्रृंखला के पहले टी20 मुकाबले में 226 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड को चार विकेट से हराया था। भारत ने दो गेंद शेष रहते जीत हासिल की थी। संजू सैमसन ने 33 गेंदों पर 67 रन बनाए, जबकि श्रेयस अय्यर ने 28 गेंदों पर 42 और नामन धीर ने 15 गेंदों पर नाबाद 42 रन की पारी खेली। श्रृंखला का दूसरा मुकाबला भी क्राइस्टचर्च के हाग्ले ओवल मैदान पर खेला जाएगा। इसके बाद दोनों टीमें 27 अक्टूबर को वेलिंगटन, 30 अक्टूबर को ऑकलैंड और एक नवंबर को हैमिल्टन में मुकाबले खेलेंगी। पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की श्रृंखला के बाद दोनों टीमों के बीच पांच एकदिवसीय और दो टेस्ट मैच भी खेले जाएंगे।

श्रीलंका ने रचा इतिहास, 430 रन का लक्ष्य हासिल कर इंग्लैंड को हराया

एजेंसी, रावलपिंडी

श्रीलंका ने इंग्लैंड के खिलाफ वनडे ट्राई सीरीज के तीसरे मुकाबले में इतिहास रचते हुए 430 रन का विशाल लक्ष्य हासिल कर लिया। इस जीत के साथ श्रीलंका ने वनडे क्रिकेट में अपना सबसे बड़ा सफल रन चेज दर्ज किया। वहीं, यह वनडे इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा सफल रन चेज है। इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान हैरी ब्रूक के दोहरे शतक की बदौलत 50 ओवर में चार विकेट पर 429 रन बनाए थे। जवाब में श्रीलंका ने 49.5 ओवर में आठ विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। श्रीलंका की ऐतिहासिक जीत में पवन रतनायके ने 130 रन की शानदार पारी खेली। दसुन शनाका और अविष्का फर्नांडो ने 97-97 रन बनाकर टीम को लक्ष्य के करीब पहुंचाया। अंतिम ओवरों में जनिथ लियांगे ने नाबाद 61 रन की पारी खेलकर जीत पर मुहर लगाई। मैच का अंतिम ओवर बेहद रोमांचक रहा। श्रीलंका को आखिरी दो गेंदों पर जीत के लिए छह रन की जरूरत थी और उसके आठ विकेट गिर चुके थे। इंग्लैंड के गेंदबाज जोश टंग ने ओवर की पहली चार गेंदों पर सिर्फ दो रन दिए और दो विकेट लेकर मुकाबले को इंग्लैंड के पक्ष में मोड़ने की कोशिश की। लेकिन लियांगे ने पांचवीं गेंद पर छक्का जड़कर श्रीलंका को यादगार जीत दिला दी। इस तरह श्रीलंका ने एक गेंद शेष रहते ही लक्ष्य हासिल कर लिया। इंग्लैंड की ओर से जोश टंग ने तीन और सैम करन ने दो विकेट चटकाए। जबकि जैमी ओवर्टन और लियाम डॉवसन को एक-एक सफलता मिली। इससे पहले, इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने 116 गेंदों पर 202 रन की विस्फोटक पारी खेली। जबकि जो रूट ने 69 रन, विल जैक्स ने 66 नर और टॉम मैंटन ने 50 रन का योगदान दिया। अंग्रेज बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन के दमपर इंग्लैंड ने 429 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया।

मोना अग्रवाल ने विश्व रिकॉर्ड के साथ जीता दूसरा स्वर्ण पदक, अवनी चौथे स्थान पर

एजेंसी, आइची-नागोया

भारत की पैरा निशानेबाज मोना अग्रवाल ने पैरा एशियाई खेल-2026 में शुक्रवार को दूसरा स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। एक अन्य भारतीय अवनि लेखरा चौथे स्थान पर रहीं। उन्होंने महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन एसएच-1 स्पर्धा के फाइनल में 357.5 अंक हासिल कर विश्व रिकॉर्ड बनाया। चीन की झांग कुइपिंग 353.7 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहीं और रजत पदक जीता। दक्षिण कोरिया की किम मियॉन्ग ने 344.4 अंक के साथ कांस्य पदक हासिल किया। मोना ने स्वर्ण पदक जीतने के लिए चीन की झांग पर 3.8 अंक की बढ़त बनाई। इससे पहले वह खेलों के शुरुआती दिन महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच-1 स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं। उस स्पर्धा में उन्होंने 250 अंक हासिल कर एशियाई पैरा खेलों का रिकॉर्ड बनाया था और 2023 में हांगझोऊ में अवनी लेखरा के 249.6 अंक के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा था। इस स्पर्धा के फाइनल में भाग लेने वाली दूसरी भारतीय निशानेबाज अवनी लेखरा चौथे स्थान पर रहीं। वह प्रोन पोजिशन के बाद शीर्ष दो खिलाड़ियों में शामिल थीं, लेकिन स्टैंडिंग सीरीज में पिछड़ने के कारण पदक से चूक गईं। मोना की इस उपलब्धि से पैरा एशियाई खेलों में भारत के पदक अभियान को मजबूती मिली है। शुरुआती दिन 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच-1 स्पर्धा में मोना और अवनी ने पहला और दूसरा स्थान हासिल कर भारत को दोहरी सफलता दिलाई थी।

थुलासिमथि मुरुगेसन ने एशियाई पैरा खेलों में स्वर्ण के साथ अभियान का किया समापन, जीते तीन पदक

एजेंसी, नई दिल्ली । भारत की पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी थुलासिमथि मुरुगेसन ने शुक्रवार को एशियाई पैरा खेल-2026 में स्वर्ण पदक जीतकर अपने अभियान का शानदार समापन किया। उन्होंने महिला युगल एसएल3-एसयू5 वर्ग के फाइनल में मानसी जोशी के साथ मिलकर चीन की यांग क्यूशिया और शियाओ जूशियान की जोड़ी को सीधे गेमों में 21-16, 21-13 से हराया। भारतीय जोड़ी ने 28 मिनट में मुकाबला अपने नाम कर स्वर्ण पदक जीता। पेरिस पैरालंपिक की रजत पदक विजेता 24 वर्षीय थुलासिमथि ने इस प्रतियोगिता में एक स्वर्ण और दो रजत पदक जीते। महिला युगल में स्वर्ण जीतने से पहले उन्होंने महिला एकल एसयू5 वर्ग में रजत पदक हासिल किया था। हालांकि, फाइनल में उन्हें चीन की यांग क्यूशिया के खिलाफ 18-21, 11-21 से हार का सामना करना पड़ा। थुलासिमथि ने मिश्रित युगल एसएल3-एसयू5 वर्ग में नितेश कुमार के साथ भी रजत पदक जीता। फाइनल में भारतीय जोड़ी को इंडोनेशिया की लियानी रात्रि ओक्टिला और हिकमत रमदानी के खिलाफ 21-11, 19-21, 14-21 से हार मिली। भारतीय जोड़ी ने पहला गेम जीतने के बाद अगले दोनों गेम गंवा दिए। पैरा बैडमिंटन की एसएल3-एसयू5 युगल स्पर्धा में एसएल3 वर्ग के खड़े होकर खेलने वाले निचले अंगों की दिव्यांगता वाले और एसयू5 वर्ग के खड़े होकर खेलने वाले ऊपरी अंगों की दिव्यांगता वाले खिलाड़ी शामिल होते हैं।

एशियाई पैरा खेल : थुलासिमथि-मानसी की जोड़ी ने महिला युगल एसएल3-एसयू5 वर्ग में जीता स्वर्ण

एजेंसी, आइची-नागोया

भारत की थुलासिमथि मुरुगेसन और मानसी गिरिशचंद्र जोशी की जोड़ी ने एशियाई पैरा खेल-2026 में बैडमिंटन की महिला युगल एसएल3-एसयू5 स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीत लिया है। विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता भारतीय जोड़ी ने स्वर्ण पदक के मुकाबले में चीन की मौजूदा विश्व चैंपियन यांग क्यूशिया और शियाओ जूशियान को सीधे गेमों में 21-16, 21-13 से हराया। भारतीय जोड़ी ने 28 मिनट में मुकाबला अपने नाम कर स्वर्ण पदक जीता। थुलासिमथि और मानसी ने पूरे मुकाबले में शानदार तालमेल और दमदार खेल का प्रदर्शन करते हुए 2-0 से जीत दर्ज की। भारतीय जोड़ी ने पहला गेम 21-16 से अपने नाम किया, जबकि दूसरे गेम में 21-13 से जीत हासिल कर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमा लिया। इस जीत के साथ भारतीय जोड़ी ने वर्ष 2025 की एशियाई चैंपियनशिप के फाइनल में चीन के हाथों मिली हार का बदला भी चुकता कर लिया। विश्व रैंकिंग में पहले स्थान पर काबिज थुलासिमथि और मानसी ने आठवीं रैंकिंग वाली चीनी जोड़ी को हराकर एशियाई पैरा खेलों का चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। इस स्वर्ण पदक के साथ भारतीय जोड़ी ने पिछले संस्करण के अपने रजत पदक को स्वर्ण में बदल दिया। थुलासिमथि और मानसी ने वर्ष 2022 के एशियाई पैरा खेलों में एक रजत और एक कांस्य पदक जीता था। अब वर्ष 2026 में उन्होंने स्वर्ण पदक जीतकर अपनी उपलब्धियों में एक और महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ दिया है।

बिजनेस

बैंक ऑफ इंडिया और सी-डैक के बीच समझौता, क्वांटम तकनीक से बैंकिंग को सुरक्षित व आधुनिक बनाने पर जोर

एजेंसी, नई दिल्ली

बैंकिंग क्षेत्र में उभरती तकनीकों के इस्तेमाल, साइबर सुरक्षा को मजबूत करने और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप वित्तीय सेवाओं को विकसित करने के लिए बैंक ऑफ इंडिया (बीओआई) और सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (सी-डैक) ने महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते का उद्देश्य क्वांटम तकनीक और अन्य आधुनिक तकनीकों के माध्यम से बैंकिंग सेवाओं को अधिक सुरक्षित, सक्षम और तकनीकी रूप से उन्नत बनाना है। यह समझौता इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले सी-डैक और बैंक ऑफ इंडिया के बीच संयुक्त अनुसंधान, तकनीकी विकास, प्रायोगिक परियोजनाओं, तकनीक के प्रदर्शन और क्षमता निर्माण के लिए एक व्यापक ढांचा तैयार करेगा। इसके तहत बैंकिंग और वित्तीय सेवा क्षेत्र से जुड़े ऐसे क्षेत्रों की पहचान की जाएगी, जहां नई तकनीकों का प्रभावी इस्तेमाल किया जा सकता है। इस साझेदारी का प्रमुख उद्देश्य वित्तीय क्षेत्र में नवाचार के लिए क्वांटम इकोसिस्टम विकसित करना है। क्वांटम तकनीक भविष्य में बैंकिंग सुरक्षा, डेटा संरक्षण और जटिल वित्तीय निर्णय लेने की प्रक्रियाओं को प्रभावित कर सकती है। इसे ध्यान में रखते हुए दोनों संस्थान क्वांटम-प्रेरित तकनीकों और क्वांटम-सुरक्षित समाधानों की संभावनाओं का अध्ययन करेंगे। क्वांटम-सुरक्षित तकनीकों का उद्देश्य भविष्य में उभरने वाले ऐसे साइबर सुरक्षा खतरों से वित्तीय प्रणालियों की रक्षा करना है, जो पारंपरिक सुरक्षा व्यवस्थाओं के लिए चुनौती बन सकते हैं। इस सहयोग के माध्यम से बैंकिंग प्रणाली की सुरक्षा, विश्वसनीयता और संकटों से निपटने की क्षमता बढ़ाने पर ध्यान दिया जाएगा। समझौते के तहत सहयोग केवल क्वांटम तकनीक तक सीमित नहीं रहेगा। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), ब्लॉकचेन, हाई परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग और साइबर सुरक्षा जैसी तकनीकों को भी शामिल किया गया है। संभावित उपयोग के क्षेत्रों में दस्तावेजों की बुद्धिमत्तापूर्ण प्रोसेसिंग, ग्राहकों और कर्मचारियों की सहायता के लिए एआई आधारित प्रणाली, धोखाधड़ी का विश्लेषण, ऋण संबंधी मूल्यांकन, वित्तीय विश्लेषण, सुरक्षित एआई प्लेटफॉर्म, डिजिटल पहचान, सुरक्षित डेटा साझाकरण और स्मार्ट कॉन्ट्रैक्ट शामिल हैं। इन तकनीकों के जरिए बैंकिंग प्रक्रियाओं को अधिक प्रभावी बनाने और जोखिमों की पहचान करने में मदद मिल सकती है। सी-डैक और बैंक ऑफ इंडिया मिलकर बैंकिंग क्षेत्र के लिए प्राथमिकता वाले उपयोग के मामलों की पहचान करेंगे। इसके बाद सुरक्षित परीक्षण वातावरण में प्रूफ ऑफ कॉन्सेप्ट तैयार किए जाएंगे। इन परीक्षणों के जरिए नई तकनीकों की व्यावहारिक उपयोगिता, तकनीकी व्यवहार्यता और संभावित लाभ का आकलन किया जाएगा। साथ ही, नए समाधानों के प्रदर्शन की मौजूदा प्रणालियों से तुलना की जाएगी। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव एस. कृष्णन ने इस पहल के लिए बैंक ऑफ इंडिया को बधाई दी और स्वदेशी तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देने के लिए सी-डैक के साथ उसके सहयोग की सराहना की। उन्होंने बढ़ती साइबर सुरक्षा चिंताओं और उभरते तकनीकी खतरों के दौर में क्वांटम-प्रतिरोधी वित्तीय इकोसिस्टम तैयार करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बैंकिंग क्षेत्र को क्वांटम युग की चुनौतियों और संभावनाओं के लिए तैयार करना महत्वपूर्ण है।

जेटवर्क मैन्युफैक्चरिंग ने निवेशकों को किया निराश, मजबूत शुरुआत के बावजूद घाटे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी, नई दिल्ली

टेक्नोलॉजी बेस्ड प्लेटफॉर्म और मैनेज्ड मार्केटप्लेस संचालित करने वाली कंपनी जेटवर्क मैन्युफैक्चरिंग बिजनेस लिमिटेड के शेयरों ने शुक्रवार को स्टॉक मार्केट में शुरुआत तो बढ़त के साथ की, लेकिन वह इस बढ़त को बरकरार नहीं रख सकी। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 151 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 5 प्रतिशत से अधिक प्रीमियम के साथ 159 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 159.25 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद शुरुआती लिवाली के दम पर यह शेयर कुछ ही देर में उछल कर 161 रुपये के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि इसके बाद बाजार में शुरू हुई भारी मुनाफावसूली और चौतरफा बिकवाली के दबाव के कारण यह शेयर दिन के ऊपरी स्तर से बुरी तरह टूट कर 127.40 रुपये के स्तर तक गिर गया। बाजार में लगातार जारी खरीद-बिक्री के बीच दोपहर 1:15 बजे तक का कारोबार होने के बाद यह शेयर 132.92 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला कोर 4 इंजीनियर्स का आईपीओ, 30 अक्टूबर को हो सकती है लिस्टिंग

एजेंसी, नई दिल्ली

रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर, पावर ट्रांसमिशन और वाटर एंड वेस्टवाटर ट्रीटमेंट जैसे क्षेत्रों में इंटीग्रेटेड इंजीनियरिंग, खरीद, निर्माण और कमीशनिंग (ईपीसीसी) सर्विस देने वाली कंपनी कोर4 इंजीनियर्स लिमिटेड का 54.82 करोड़ रुपये का आईपीओ आगामी आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में निवेशक 27 अक्टूबर तक बोली लगा सकते हैं। लॉन्चिंग के बाद आज पहले दिन दोपहर 2:30 बजे तक इस आईपीओ को सिर्फ 6 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन मिला था। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 28 अक्टूबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 29 अक्टूबर को अलॉटेड शेयर सफल निवेशकों के डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। इसी दिन रिफंड की प्रक्रिया भी शुरू हो जाएगी। कंपनी के शेयर 30 अक्टूबर को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 88 रुपये से लेकर 93 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयरों का है। हालांकि रिटेल इंवेस्टर्स के लिए इस इश्यू में कम से कम दो लॉट यानी 2,400 शेयरों के लिए बोली लगाना अनिवार्य किया गया है, जिसके लिए उन्हें 2,23,200 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 58,94,400 शेयर जारी किए जा रहे हैं। यह पूरा इश्यू पूरी तरह से फ्रेश शेयर जारी करके जुटाया जा रहा है, जिसमें से 7,20,000 शेयर मार्केट मेकर मानसी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड के लिए रिजर्व रखे गए हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए नेट इश्यू का अधिकतम 50 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए न्यूनतम 35 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए न्यूनतम 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व रखा गया है। इस पूरे इश्यू के लिए सोक्राडामस कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर्स बनाया गया है, जबकि पूर्वा शेयरजिस्ट्री (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार नियुक्त किया गया है। आईपीओ में शेयरों की बिक्री से जुटाए गए इस पैसे का इस्तेमाल कंपनी मुख्य रूप से एक नई मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी और कॉर्पोरेट ऑफिस स्थापित करने के उद्देश्य से जमीन और मौजूदा इमारत सहित एक प्रॉपर्टी खरीदने, वर्किंग कैपिटल की बढ़ी हुई जरूरतों को पूरा करने, आईपीओ लॉन्चिंग में हुए खर्च की भरपाई करने और सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कोर4 इंजीनियर्स लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए दस्तावेजों में उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक कंपनी की वित्तीय सेहत में पिछले तीन वित्त वर्षों के दौरान शानदार सुधार हुआ है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 2.89 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ (प्रॉफिट आफ्टर टैक्स) हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 3.81 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का शुद्ध लाभ जबरदस्त उछाल के साथ 12.37 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसके अलावा मौजूदा वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही यानी 30 जून 2026 तक कंपनी को 6.17 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका था।

बोनफिग्लियोली की स्टॉक मार्केट में फ्लैट लेवल पर शुरूआत, मामूली मुनाफे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी, नई दिल्ली

मैकेनिकल और इलेक्ट्रो-मैकेनिकल पावर ट्रांसमिशन एवं इंडस्ट्रियल ड्राइव सॉल्यूशंस प्रदान करने और विभिन्न उद्योगों के लिए हाई-प्रेसिजन गियरबॉक्स व ड्राइव सिस्टम का निर्माण करने वाली देश की दिग्गज कंपनी बोनफिग्लियोली ट्रांसमिशन लिमिटेड के शेयरों ने शुक्रवार को स्टॉक मार्केट में फ्लैट एंट्री कर अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 586 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग बिना किसी उतार-चढ़ाव के बिल्कुल सपाट स्तर पर यानी 586 रुपये पर ही हुई। सपाट लिस्टिंग के बाद हुई मामूली लिवाली के सपोर्ट से यह शेयर कुछ ही देर में उछल कर 607 रुपये के स्तर तक पहुंचने में सफल रहा। हालांकि इसके बाद मुनाफावसूली का दौर शुरू हो जाने के कारण यह टूटकर 527.40 रुपये के निचले स्तर तक गिर गया। बाजार में लगातार जारी खरीद-बिक्री के बीच दोपहर 1:45 बजे तक का कारोबार होने के बाद यह शेयर निचले स्तर से रिकवरी के साथ 586.65 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशक प्रति शेयर 0.65 रुपये यानी 0.11 प्रतिशत के मामूली मुनाफे में थे। इस कंपनी का 2,533.66 करोड़ रुपये का बड़ा आईपीओ 15 से 19 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से बेहद शानदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण यह ओवरऑल 32.50 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 120.68 गुना (एक्स एंकर) सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन-इन्स्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 40.39 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 5.90 गुना और कर्मचारियों का हिस्सा 0.97 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

सर्राफा बाजार में गिरावट जारी- 1,700 रुपये तक सस्ता हुआ सोना, चांदी भी 5,000 तक लुढ़का

एजेंसी, नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना और चांदी की कीमत घटने का असर घरेलू सर्राफा बाजार में भी नजर आ रह है। आज शुरुआती कारोबार के दौरान सर्राफा बाजार में इन दोनों चमकीली धातुओं की कीमत में जबरदस्त गिरावट आई है। सोना आज 1,550 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,700 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। इसी तरह चांदी के भाव में भी आज 5,000 रुपये प्रति 10 किलोग्राम तक की कमजोरी दर्ज की गई है। कीमत में हुए बदलाव के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,44,370 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,44,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,32,340 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,32,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,24,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,44,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,44,370 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,44,420 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,390 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

शेल्ज इंडिया ने निवेशकों को किया निराश, फ्लैट लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

एजेंसी, नई दिल्ली

हग्स और टोस्का ब्रांड के तहत कन्फेक्शनरी प्रोडक्ट्स और कई तरह के बेकरी इंग्रीडिएंट्स का प्रोडक्शन तथा मार्केटिंग करने वाली कंपनी शेल्ज इंडिया लिमिटेड के शेयरों ने आज शेयर बाजार में फ्लैट एंट्री कर अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 179 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म इसकी लिस्टिंग बिना किसी बदलाव के 179 रुपये के स्तर पर ही हुई। फ्लैट लिस्टिंग से निराश निवेशकों को तब और झटका लगा, जब ये शेयर लुढ़कर कर 170.05 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर आ गया। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 8.95 रुपये यानी 5 प्रतिशत का नुकसान हो गया। इस आईपीओ के तहत एक लॉट 1,600 शेयर का था। इस तरह आईपीओ निवेशकों को पहले दिन ही इस शेयर ने 14,320 रुपये तक का नुकसान करा दिया। इस कंपनी का 59.97 करोड़ रुपये का आईपीओ 15 से 19 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से बेहद शानदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण यह ओवरऑल 41.14 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 41.77 गुना (एक्स एंकर) सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन-इन्स्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 86.72 गुना का भारी सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन भी 55.52 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 33,50,400 नए शेयर जारी किए गए हैं।

जैकी श्रॉफ और शरद केलकर की ‘काली खेती की बदली रिलीज तारीख, अब 20 नवंबर को होगी प्रदर्शित

अ अभिनेता जैकी श्रॉफ और शरद केलकर की आगामी ग्रामीण पृष्ठभूमि पर आधारित डरावनी फिल्म ‘काली खेती की रिलीज तारीख आगे बढ़ा दी गई है। पहले यह फिल्म 23 अक्टूबर, 2026 को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होने वाली थी, लेकिन अब दर्शकों को इसके लिए थोड़ा और इंतजार करना होगा। निर्माताओं ने नई रिलीज तारीख की घोषणा करते हुए फिल्म से दोनों अभिनेताओं के पहले रूप भी जारी किए हैं। अब यह फिल्म 20 नवंबर, 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। हारिस इम्तियाज खान के लेखन और निर्देशन में बनी ‘काली खेती ग्रामीण जीवन और कृषि को डरावने तथा रहस्यमयी अंदाज में प्रस्तुत करने का प्रयास करेगी। फिल्म की कहानी गांव की पृष्ठभूमि में रची गई है, जहां खेती-किसानी से जुड़े परिवेश को भय और रहस्य के साथ जोड़ा गया है। फिल्म के जारी किए गए पोस्टर में जैकी श्रॉफ का अधूरा और डरावना रूप दिखाई दे रहा है। वहीं, शरद केलकर गंभीर और आक्रामक अंदाज में नजर आ रहे हैं।

पोस्टर के साथ इस्तेमाल की गई रहस्यमयी धुन फिल्म के भयावह वातावरण की झलक पेश करती है। निर्माताओं ने इन झलकियों के जरिए फिल्म की रहस्यमयी दुनिया और उसके पात्रों के बारे में उत्सुकता बढ़ाने की कोशिश की है। ग्रामीण परिवेश में रची गई यह कहानी पारंपरिक डरावनी फिल्मों से अलग अंदाज में खेती और गांव की दुनिया को पर्दे पर प्रस्तुत करने का वादा करती है। ‘काली खेती में अभिनेत्री नेहा सरगम मुख्य महिला भूमिका में नजर आएंगी। जैकी श्रॉफ और शरद केलकर की मौजूदगी के साथ फिल्म में ग्रामीण जीवन, रहस्य और डर का मेल देखने को मिलेगा। फिल्म की रिलीज तारीख में बदलाव के बाद अब यह 20 नवंबर, 2026 को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी। दर्शकों को उम्मीद है कि फिल्म की कहानी और कलाकारों के अलग-अलग रूप बड़े पर्दे पर एक नया अनुभव देंगे। भारतीय सिनेमा में पिछले कुछ समय से डरावनी और रहस्यमयी (हॉरर-थ्रिलर) फिल्मों को लेकर दर्शकों का रुझान तेजी से बदला है। अब मेकर्स बंद कमरों या सुनसान हवेलियों के पुराने ढर्रे को छोड़कर देश की ग्रामीण लोककथाओं, कृषि आधारित संस्कृति और पारंपरिक अंधविश्वासों पर फिल्में बनाने में अधिक दिलचस्पी दिखा रहे हैं। हाल के वर्षों में ‘स्त्री’, ‘तुम्बाड’ और ‘मुंज्या’ जैसी फिल्मों की बंपर सफलता ने यह साबित कर दिया है कि जड़ों से जुड़ी कहानियों में डर और रहस्य का तड़का दर्शकों को थिएटरों तक खींचने का सबसे कारगर तरीका है। इसी कड़ी में अब ‘काली खेती’ जैसी फिल्में भी ग्रामीण जीवन के अनसुलझे पहलुओं को बड़े पर्दे पर पेश करने की नई कोशिश कर रही हैं। फिल्म समीक्षकों का मानना है कि गांव-देहात के परिवेश में फैले अंधविश्वास, खेतों से जुड़ी किंवदंतियां और अनसुनी लोककथाएं सिनेमा के लिए एक नया और समृद्ध कैनवास प्रदान करती हैं।

विक्टोरियाज सीक्रेट फैशन शो में रैंप वॉक करने वाली पहली मलयाली मॉडल बनीं रावलीन वर्गीस

अं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चित विक्टोरियाज सीक्रेट फैशन शो का आयोजन 18 अक्टूबर को हुआ। इस शो में एड्रियाना लीमा, गीगी हदीद, बेला हदीद और काइली जेनर जैसी जानी-मानी हस्तियों ने आकर्षक परिधानों में रैंप वॉक किया। इस दौरान केरल के पथानामथिट्टा की रहने वाली 25 वर्षीय मॉडल रावलीन वर्गीस ने भी खास पहचान बनाई। वह विक्टोरियाज सीक्रेट फैशन शो में रैंप वॉक करने वाली पहली मलयाली मॉडल बन गई हैं। उनकी इस उपलब्धि को भारतीय महिलाओं के लिए एक महत्वपूर्ण सफलता के रूप में देखा जा रहा है। रावलीन की खास बात यह है कि मॉडलिंग कभी उनका प्रमुख लक्ष्य नहीं था। डिजाइन की पढ़ाई के लिए दिल्ली आने के बाद महज 18 साल की उम्र में उन्हें मॉडलिंग का अवसर मिला। इसके बाद उन्होंने फैशन की दुनिया में अपनी पहचान बनाने की दिशा में कदम बढ़ाए। उन्हें पहली बड़ी सफलता न्यूयॉर्क फैशन वीक में प्रबल गुरुंग के स्प्रिंग-समर 2025 संग्रह के जरिए मिली थी। न्यूयॉर्क फैशन वीक में पदार्पण करने के करीब एक साल बाद ही रावलीन को विक्टोरियाज सीक्रेट जैसे प्रतिष्ठित

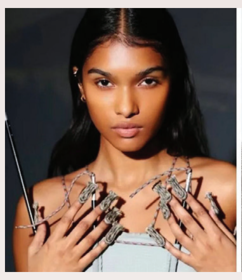

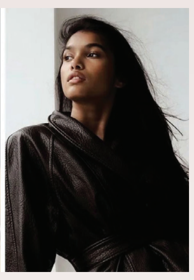

अंतरराष्ट्रीय मंच पर रैंप वॉक करने का अवसर मिला। शो के दौरान उन्होंने दो अलग-अलग आकर्षक परिधानों में अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। पहले परिधान में उन्होंने गुलाबी रंग का पारदर्शी लेस वाला अंतर्वस्त्र सेट पहना था, जिसके ऊपर एक रोब था। वहीं, दूसरे रूप में वह सफेद कढ़ाई वाले काले लेस के अंतर्वस्त्र परिधान में नजर आईं। दोनों ही परिधानों में उन्होंने आत्मविश्वास और शालीनता के साथ रैंप पर अपनी छाप छोड़ी। फैशन जगत के चर्चित पृष्ठ ‘डाइट सब्या ने 19 अक्टूबर को सामाजिक माध्यम इंस्टाग्राम पर रावलीन की तस्वीरें साझा कीं। पृष्ठ ने उनकी उपलब्धि की सराहना करते हुए उन्हें एक नए सितारे के उदय के रूप में प्रस्तुत किया और बताया कि वह इस फैशन शो में रैंप वॉक करने वाली पहली मलयाली मॉडल हैं। रावलीन की निजी दिनचर्या भी उनके प्रशंसकों के लिए दिलचस्प है। खबरों के मुताबिक, फैशन शो से पहले वह अपनी त्वचा की देखभाल करते समय मलयालम गीत बजाकर नृत्य करना पसंद करती हैं। वहीं, शो के बाद उन्हें ब्रुकलिन स्थित ‘ताकाहाची से माचा स्वाद वाला सॉफ्ट सर्व आइसक्रीम खाना पसंद है। रावलीन वर्गीस की यह उपलब्धि बताती है कि अंतरराष्ट्रीय फैशन जगत में भारतीय प्रतिभाएं लगातार अपनी जगह बना रही हैं। केरल के एक छोटे से शहर से निकलकर दुनिया के प्रतिष्ठित फैशन मंच तक पहुंचना उनके लिए बड़ी उपलब्धि है।

फिल्म ‘उड़ता तीर का रोमांटिक गीत ‘चन्न जारी आयुष्मान और सारा की जमी दिलकश केमिस्ट्री

आ आयुष्मान खुराना और सारा अली खान की आगामी फिल्म ‘उड़ता तीर के निर्माताओं ने फिल्म का रोमांटिक गीत ‘चन्न जारी कर दिया है। प्यार और खूबसूरत एहसासों से सजे इस गीत में दोनों कलाकारों के बीच शानदार तालमेल देखने को मिल रहा है। मशहूर गायक अरिजीत सिंह की सुरीली आवाज में सजे इस गीत में प्रेम के कोमल और भावुक पहलुओं को खूबसूरती से प्रस्तुत किया गया है। गीत में आयुष्मान और सारा के रोमांटिक दृश्य तथा खूबसूरत प्राकृतिक नजारे इसे और आकर्षक बनाते हैं। ‘चन्न में दोनों कलाकारों के किरदारों के बीच पनपते प्यार को दिखाया गया है। गीत के दृश्यों में उनकी आंखों की अभिव्यक्ति, भावनात्मक जुड़ाव और साथ बिताए गए खूबसूरत पल प्रेम की मिठास को उभारते हैं। सुकून देने वाली धुन और रोमांटिक अंदाज फिल्म की कहानी के एक खास पहलू को सामने लाते हैं। ‘चन्न को संगीतकार जोड़ी सचिन-जिगर ने तैयार किया है, जबकि इसके बोल अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं। अरिजीत सिंह की भावपूर्ण आवाज और सचिन-जिगर की मधुर धुन गीत को खास बनाती है। गीत के बोल प्रेम की भावनाओं को सहजता से व्यक्त करते हैं और इसकी धुन श्रोताओं को रोमांटिक एहसासों की दुनिया में ले जाती है। वहीं, आयुष्मान खुराना और सारा अली खान की पर्दे पर दिखाई देने वाली केमिस्ट्री गीत के आकर्षण को बढ़ाती है। खूबसूरत दृश्यांकन और प्रेम से भरे पलों के साथ ‘चन्न फिल्म के रोमांटिक पक्ष को प्रभावशाली ढंग से पेश करता है। आकाश ए. कौशिक के लेखन और निर्देशन में बनी ‘उड़ता तीर को धर्मा प्रोडक्शंस और सिख्या एंटरटेनमेंट का सहयोग मिला है। फिल्म का निर्माण करण जौहर, अदार पूनावाला, अपूर्व मेहता, गुनीत मोंगा कपूर और अचिन जैन ने किया है। आयुष्मान खुराना और सारा अली खान की मुख्य भूमिकाओं वाली यह फिल्म 23 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होने के लिए तैयार है। फिल्म के नए गीत ‘चन्न के जारी होने से इसके प्रति दर्शकों की उत्सुकता बढ़ने की उम्मीद है। रोमांस, मधुर संगीत और दोनों कलाकारों की जोड़ी फिल्म के प्रमुख आकर्षणों में शामिल है।

कुणाल खेमू के शो अलायंस के दूसरे सीजन का ऐलान, अमेजन प्राइम वीडियो पर 14 जनवरी 2027 से होगा प्रसारण

अ अभिनेता कुणाल खेमू की मेजबानी वाले लोकप्रिय रियलिटी शो ‘अलायंस के प्रशंसकों के लिए अच्छी खबर है। निर्माताओं ने शो के दूसरे सीजन की आधिकारिक घोषणा कर दी है। इसके साथ ही नए सीजन के प्रसारण की तारीख भी तय कर दी गई है। यह शो 14 जनवरी, 2027 से अमेजन प्राइम वीडियो पर प्रसारित होगा। जून 2026 में प्रसारित हुए पहले सीजन को दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी। इसी लोकप्रियता को देखते हुए निर्माताओं ने इसे दूसरे सीजन के साथ वापस लाने का फैसला किया है। पहले सीजन में डेजी शाह, अर्सलान गोनी, सोहेल खान, कुशाल टंडन और मैक्सटर्न समेत कुल 16 प्रतियोगियों ने हिस्सा लिया था। प्रतियोगियों के बीच गठबंधन बनाने, रणनीति तैयार करने और एक-दूसरे को चुनौती देने के कारण यह शो चर्चा में रहा। पहले सीजन की विजेता मिनी माथुर बनी थीं। सामाजिक माध्यम ‘एक्स पर आधिकारिक पोस्टर जारी कर दूसरे सीजन की घोषणा की। पोस्ट के साथ दिए गए संदेश में नए गठबंधनों, अधिक नाटकीय घटनाक्रम और गठबंधनों के टूटने का संकेत दिया गया है। इससे उम्मीद की जा रही है कि नए सीजन में प्रतियोगियों के बीच रणनीतिक मुकाबला और रोमांच देखने को मिलेगा। ‘अलायंस की खासियत इसका गठबंधन, विश्वासघात और रणनीति पर आधारित प्रारूप है। इसमें प्रतियोगियों को परिस्थितियों के अनुसार दूसरे प्रतिभागियों के साथ गठबंधन बनाना पड़ता है। हालांकि, बदलते समीकरणों के बीच इन गठबंधनों का टूटना भी खेल का अहम हिस्सा है। ‘अलायंस टाल्पा स्टूडियोज के लोकप्रिय डच प्रारूप का पहला अंतरराष्ट्रीय रूपांतरण है। भारत में इसका निर्माण बनिजय एशिया ने किया है। शो में सामाजिक संबंधों, आपसी विश्वास, रणनीति और प्रतिस्पर्धा को मनोरंजक अंदाज में प्रस्तुत किया जाता है। पहले सीजन की सफलता के बाद अब दर्शकों की नजर इसके दूसरे सीजन पर है। 14 जनवरी, 2027 को होने वाले प्रीमियर के साथ यह देखना दिलचस्प होगा कि नए सीजन में कौन से प्रतियोगी शामिल होते हैं और गठबंधन तथा रणनीति का खेल किस तरह आगे बढ़ता है।

जेमी लीवर ने कॉमेडी के लिए छोड़ी नौकरी

कॉ कॉमेडी की दुनिया में मशहूर कॉमेडियन जॉनी लीवर की बेटी जेमी लीवर अपनी शानदार मिमिक्री, बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग और अनोखे अंदाज के लिए जानी जाती हैं। जॉनी लीवर की बेटी होने के बावजूद जेमी ने अपनी पहचान बनाने के लिए मेहनत का रास्ता चुना। कॉमेडी को करियर बनाने से पहले जेमी लीवर ने कॉर्पोरेट क्षेत्र में नौकरी की, लेकिन मंच पर लोगों को हंसाने के जुनून ने उन्हें मनोरंजन की दुनिया की ओर खींच लिया। हाल ही में जेमी लीवर ने 19 अक्टूबर अपना जन्मदिन मनाया। उनका बचपन ऐसे परिवार में बीता, जहां कॉमेडी और मनोरंजन का माहौल था। उनके पिता जॉनी लीवर हिंदी सिनेमा के लोकप्रिय हास्य कलाकारों में शामिल रहे हैं। इसके बावजूद जेमी ने अपनी अलग पहचान बनाने के लिए अपनी प्रतिभा को निखारने पर ध्यान दिया। जेमी ने शुरुआती पढ़ाई मुंबई में की और आगे की शिक्षा के लिए लंदन चली गईं। उन्होंने वेस्टमिंस्टर विश्वविद्यालय से मार्केटिंग कम्युनिकेशन में स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूरी की। इसके

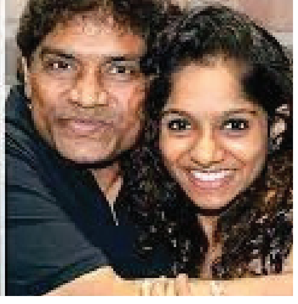

बाद उन्होंने लंदन की एक मार्केट रिसर्च कंपनी में मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव के तौर पर काम किया। उस समय उनकी दिनचर्या ऑफिस, मार्केट रिपोर्ट और व्यावसायिक जिम्मेदारियों के बीच गुजरती थी। हालांकि, उनके मन में मंच पर प्रस्तुति देने और लोगों को हंसाने की इच्छा लगातार बनी रही। लंदन में रहते हुए जेमी ने कॉमेडी क्लबों में ओपन माइक कार्यक्रमों के जरिए अपनी प्रतिभा दिखानी शुरू की। छोटे मंचों पर दर्शकों के सामने प्रस्तुति देने से उन्हें अनुभव मिला और अपनी क्षमता पर भरोसा बढ़ा। धीरे-धीरे उन्हें एहसास हुआ कि कॉमेडी ही वह क्षेत्र है, जिसमें वह अपना भविष्य बनाना चाहती हैं। इसके बाद उन्होंने कॉर्पोरेट नौकरी छोड़कर भारत लौटने और मनोरंजन जगत में करियर बनाने का फैसला किया। जेमी की सबसे बड़ी ताकत उनकी मिमिक्री है। वह अलग-अलग अभिनेत्रियों और चर्चित हस्तियों की आवाज, बोलने के अंदाज और हाव-भाव को मजेदार तरीके से प्रस्तुत करती हैं। कंगना रनौत, फराह खान और श्रीदेवी जैसी हस्तियों की नकल करने वाले उनके वीडियो सोशल मीडिया पर लोकप्रिय हुए। टेलीविजन कार्यक्रम ‘कॉमेडी सर्कस के महाबली’ में उनकी प्रस्तुतियों ने भी दर्शकों के बीच पहचान बनाने में मदद की। कॉमेडी के बाद जेमी ने अभिनय में भी हाथ आजमाया। वर्ष 2015 में फिल्म ‘किस किसको प्यार करूं’ से उन्होंने हिंदी फिल्मों में कदम रखा। इसके बाद वह ‘हाउसफुल 4’, ‘भूत पुलिस’, ‘क्रैक’ और ‘यात्रियों’ जैसी फिल्मों में नजर आईं। वर्ष 2024 में उन्होंने तेलुगु सिनेमा में भी शुरुआत की।

क्या बाथ टॉवल बदलने का समय आ गया है? इन 5 संकेतों से लगाएं पता

बा बाथ टॉवल का इस्तेमाल करने से त्वचा को सुखाने में मदद मिलती है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि बाथ टॉवल को कितने समय तक इस्तेमाल किया जा सकता है? दरअसल, बाथ टॉवल को लंबे समय तक इस्तेमाल करने से उसमें कीटाणु पनपने लगते हैं, जो त्वचा के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं। आइए आज हम आपको 5 ऐसे संकेतों के बारे में बताते हैं, जो यह बताते हैं कि आपको अपना बाथ टॉवल बदल लेना चाहिए। अगर आपके बाथ टॉवल में अजीब गंध आने लगे तो उसे तुरंत बदल दें। गीला बाथ टॉवल एक ऐसी जगह होती है, जहां कीटाणु तेजी से बढ़ते हैं, जो त्वचा पर संक्रमण का कारण बन सकते हैं। इसलिए अगर आपके बाथ टॉवल में अजीब गंध आने लगे तो उसे तुरंत बदल दें। इसके अलावा इस्तेमाल किए हुए बाथ टॉवल को हमेशा खुली जगह पर सुखाएं ताकि उसमें मौजूद नमी दूर हो जाएं और कीटाणु न पनप सकें। अगर बाथ टॉवल बहुत पतला हो गया हो तो उसे बदलें अगर आपका बाथ टॉवल बहुत पतला हो गया है तो उसे बदलें। कई बार धोने के बाद बाथ टॉवल का कपड़ा ढीला और पतला हो जाता है, जिससे वह अपनी नमी को अच्छे से सोख नहीं पाता है। ऐसे बाथ टॉवल से त्वचा पर खरोंच भी आ सकती है, इसलिए अगर आपका बाथ टॉवल बहुत पतला हो गया हो तो उसे बदल लें। अगर आपके बाथ टॉवल पर दाग-धब्बे दिखाई देने लगे तो उसे बदल लें। बाथटॉवल पर साबुन या शैंपू के दाग लगते हैं, जिन्हें धोने से साफ नहीं किया जा सकता है। अगर आपके बाथ टॉवल पर पसीने या गंदगी के दाग लगे हैं तो उसे भी बदल लें। इन दागों को साफ करने में काफी समय लग सकता है। अगर आप अपने बाथ टॉवल का इस्तेमाल ज्यादा करते हैं और फिर भी उसमें कोई बदलाव नहीं आ रहा है तो उसे बदल लें। आमतौर पर इस्तेमाल के बाद बाथ टॉवल थोड़ा मुलायम और ज्यादा सोखने वाला हो जाता है। अगर ऐसा नहीं हो रहा है तो इसका मतलब है कि वह पुराना हो गया है। इसके अलावा अगर बाथ टॉवल ज्यादा गीला रह रहा है तो उसे बदल लें।

ज्यादा समय तक इस्तेमाल करना नहीं है सही

अधिकतर लोग अपने बाथ टॉवल को 2 साल तक इस्तेमाल कर लेते हैं, लेकिन विशेषज्ञों के मुताबिक, हर 6-12 महीने में बाथ टॉवल को बदल लेना चाहिए, खासकर अगर आपके बाथ टॉवल पर कोई विशेष धारण जैसे कि रंग, डिजाइन या पैटर्न नहीं है। समय-समय पर अपने बाथ टॉवल को बदलना न केवल आपकी त्वचा बल्कि आपके स्वास्थ्य के लिए भी अच्छा है। इसलिए हर 6-12 महीने में अपने बाथ टॉवल को बदल लें।

BRIFF NEWS

Govt plans colour-coded driving licence for Indians, foreigners

New Delhi, Agency: In a first, govt has proposed mentioning the nationality of driving licence holders on DLs and introducing separate colour schemes for Indian andforeign nationals as well as doing away with affidavits sworn before an executive magistrate or notary as proof of age and address, which has the potential of being misused. Life insurance policies, too, would no longer be accepted as proof. Proposing sweeping changes to the driving licence (DL) regime under Motor Vehicles Rules, the road transport ministry Wednesday issued a draft notification to raise the pass mark for the online safe-driving tutorial assessment from the current 60% to 75%.

It has also proposed making it mandatory for licences to carry the holder's blood group, mobile number and emergency contact details. The ministry has proposed waiving fees for specified DL services, including changes to address, name and contact number, if applicants avail themselves of these services through online Aadhaar authentication.

At present, if an applicant cannot produce any of the 12 listed documents, the licencing authority "may accept an affidavit sworn before an executive magistrate, judicial magistrate or notary public as proof of age and address".

Movie glorifies violence, generalises graft in medical field: IMA

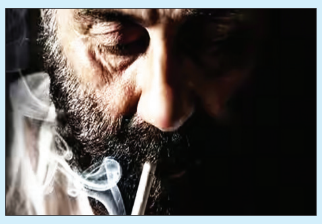

New Delhi, Agency: Indian Medical Association has written to I&B ministry to urgently review the promotional content of Sunny Deol-starrer 'Suryaa - Ant Se Aarambh Tak', alleging that it generalises corruption in the medical profession and depicts violence against healthcare workers in ways that could erode public trust and put doctors' safety at risk.

In a letter, dated Oct 22, to I&B minister Ashwini Vaishnaw, IMA national president Dr Anilkumar J Nayak sought an impartial review of the promo video for the upcoming film and appropriate corrective measures from its makers. It also called for a ban or other action if justified under applicable law. The letter was also copied to the Union health and home ministries and the chairperson of National Medical Commission.

IMA flagged what it described as the risk of portraying corruption and unethical practices as representative of the medical fraternity. While stressing that individual wrongdoing must be investigated and punished, it said the actions of a few should not tarnish the reputation of doctors as a community.

It expressed concern over scenes depicting physical assaults on doctors, nurses and hospital staff, particularly when such acts appear heroic or justified.

Cockroaches, Flamingos and Classrooms: The Gen Z Protest Wave from Delhi to Paris

In recent weeks, young people have been tear-gassed in Brussels and have thrown stones at police in Tirana. Earlier this year, thousands marched on India's Parliament. The causes differ. The pattern does not: a generation that feels shut out of a fair future is taking to the streets and, increasingly, finding it is not alone when it gets there.

One generation, many triggers- The "Gen Z protest" label took hold with Kenya's 2024 tax protests and gathered force in 2025. In Nepal, anger over a social media ban, corruption and nepotism brought down the government in September. Madagascar's youth rallied over water and power cuts, and the president dissolved his government in October. In Morocco, the grievances were inequalities in health and education; by the end of October, more than 2,400 people faced prosecution. In Peru, pension anger and distrust of Congress ended with President Dina Boluarte's removal. In Bangladesh, a student-led uprising ousted Sheikh Hasina, and February's election brought Tarique Rahman to power.

The sparks varied: a platform ban, an electricity cut, a school roof. The underlying complaint did not. Young people described institutions that failed to deliver jobs, decent schooling or accountability.

A shared playbook- Three features recur. First, social media is the organizing tool. Second, protests adopt humorous or pop-culture symbols; AFP spotted the straw-hat skull emblem from the manga One Piece at protests in more than a dozen countries. Third, movements openly copy one another. A Nepali protester said the changes after Nepal's uprising spread through digital platforms and influenced other countries. This month, an Albanian student told the BBC that after 135 peaceful days, protesters were now trying to do it like in France.

Analysts also point to a weakness. The loose, leaderless structure that makes these movements quick to form and hard to crush has rarely produced political projects beyond their opening demands. Morocco shows the risk: some reform pledges, followed by mass prosecutions.

France: when pupils pull in the grown-ups- France is the hub of the current European wave. According to Reuters, unrest began last month over education funding and school conditions, then broadened into a wider movement about inequality, public spending and living standards. It follows a year of French protest against austerity, including the "Bloquons Tout" (Let's Block Everything) mobilization of September 2025.

The student core is striking. The AP reports that high-schoolers have spent more than three weeks blockading and demonstrating outside schools, despite mass arrests and mounting injuries. At a school in Saint-Denis, where staff and students have long complained of dilapidated buildings and rat infestations, Greta Thunberg joined hundreds of teenagers and said the whole world was watching. What matters is less what she said than what her presence signals: a protest about school conditions has become a cause that adult activists and public figures feel drawn to.

Brussels and Tirana: contagion across borders- Belgium shows how fast the mood travels. On Saturday, Reuters reported, several hundred mostly young people protested in Brussels, and rioters clashed with police in unrest partly inspired by France. Police used tear gas and water cannon, and a car was overturned. Interior Minister Bernard Quintin said it was no longer mere protest. Yet the crowd was not only teenagers. Anadolu Agency reported teachers and trade union activists among the marchers, objecting to education reforms, austerity and what they called police repression. Students in Liège had protested education costs earlier this month.

Albania's movement is older and openly anti-government. For roughly 140 evenings this summer, Albanians gathered in central Tirana with pictures of flamingos, calling on Prime Minister Edi Rama to resign. The movement emerged in the spring amid luxury resort plans linked to Jared Kushner. The BBC noted that the early protests drew young and old, including parents with children and even grandparents. But numbers dwindled as the government gave no ground.

Then schoolchildren and students joined, and the character changed. Clashes in Tirana have now run for five consecutive days, with protesters throwing stones, fireworks and Molotov cocktails, and police using water cannon and tear gas; rubber bullets were also reported. The violence has spread to Durres, Shkoder, Korce and Vlora, and dozens of police have been hurt. The US embassy urged restraint, saying violence is not civic activism. Young protesters told the BBC this is a new phase born of the earlier movement, which raises the question of whether the Flamingo movement has radicalized.

India: from meme to mass movement- India's story unfolded earlier and shows the widening-circle effect most clearly. It began as satire. After India's Chief Justice reportedly described unemployed young people as cockroaches and parasites, Abhijeet Dipke, a Boston University student, announced the Cockroach Janta Party on 16 May, a play on the ruling BJP. Then the NEET medical entrance exam was found compromised by a paper leak, and the joke acquired a real target. PBS reports the party's Instagram account now has more than 25 million followers, over twice the BJP's.

The first Delhi protest, at Jantar Mantar on 6 June, drew hundreds of students in cockroach masks, including a 17-year-old who travelled overnight from Madhya Pradesh. Many said they had never protested before. After weeks of largely peaceful demonstrations, thousands marched on Parliament and clashed with riot police, NPR reported.

Then the circle widened. When Sonam Wangchuk, the education reformer and climate activist, joined an indefinite hunger strike on 28 June, it drew in parents, retired civil servants, lawyers and public figures with no history in student politics. Members of a left-wing student association had already joined the hunger strike. After 36 days, analysts report, the government conceded the central demand for Education Minister Dharmendra Pradhan's resignation. Student leaders insist the victory owes nothing to government goodwill and say protests will resume unless cases against demonstrators are dropped.

What connects them, and what doesn't- Put these cases side by side and a sequence appears. Protest starts among school and university students, whose grievances are concrete: a leaked exam, a crumbling classroom, a fee. Because those grievances touch families, they pull in a second ring of teachers, unions and parents. When police respond forcefully, a third ring joins, motivated less by the original issue than by the response. France, Belgium, Albania and India each show some version of this. That is my interpretation of the reporting, not an established law.

The differences matter just as much. I found no evidence of central coordination; these look like parallel reactions to similar pressures, strengthened by imitation. The goals vary: one minister in India, a prime minister in Albania, budgets and school funding in France and Belgium. Methods vary too. India's movement leaned on hunger strikes and satire, while Albania's has turned violent. And not every young mobilization is progressive; observers caution that Gen Z politics is polarized, with some young people drawn to nationalist and conservative causes.

The open question- Nepal and Bangladesh show that youth protest can topple governments. Morocco shows it can be met with mass prosecution. India offers a narrower and perhaps more typical outcome: a concession, and a movement waiting to see whether it holds.

What France's pupils, Albania's flamingo marchers and Belgium's students achieve will depend less on their numbers than on two things: whether the wider public they have drawn in stays with them, and whether governments answer the grievances or only the street.

Author is professor in Punjab University at Chandigarh

New norms to limit fuel leaks, protect EV batteries in rear-end crashes

New Delhi, Agency: Govt has tightened norms for protection of fuel systems and electric power drive systems, with all new vehicles manufactured from April 2029 onwards required to comply with the new standards, a move that will prevent fire in rear-end collisions.

In a notification, road transport ministry has also made the automotive standard, AIS-192, mandatory for Event Data Recorder (EDR) from Oct 2029 if it is installed in any car. The EDR feature is not mandatory for all cars, and it remains an optional feature. EDR records crash details, which help establish what happened immediately before and during a collision. It is similar in purpose to an aircraft's flight-data recorder or black box.

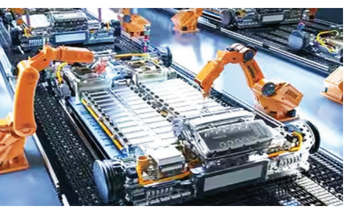

In the case of standards for fire safety, the revised automotive industry standards (AIS)-101 specify that after a rear-impact crash test, liquid-fuel systems must not develop more than slight leakage and continuous leakage must not exceed 30 grams per minute. The key safety requirements include the fuel system not allowing a fire to be sustained following the impact. In the case of electric vehicles, the battery and its securing mechanism must remain in position during and after the impact test.

Centre flags data gap, regulatory hurdles in curbing hospital mark-ups

New Delhi, Agency: Amid SC's scrutiny of hospitals charging patients steep mark-ups on medicines and consumables, govt officials have flagged gaps in data and regulatory hurdles in extending price controls to hospital supplies, saying the Centre first needs to establish the extent of margins before considering intervention.

The Union govt has told the SC in its affidavit that margins on hospital consumables can range from 100% to 1,000% or more, highlighting concerns over the high mark-ups patients often face on

supplies used during treatment. However, a senior official told Media that the govt does not have the data needed to assess margins across hospital supplies and determine whether wider controls are warranted.

"We first need to get the data and then examine whether there is a margin and a need to control it," another senior official said, explaining that the purchase price of medicines and consumables would need to be compared with what hospitals charge patients before deciding on any intervention.

Centre fixes ceiling prices for scheduled medicines and has limited annual price increases for non-scheduled drugs up to 10%. It has decided to cap trade margins on certain anti-cancer medicines at 30% of MRP. Extending similar controls to other medicines and hospital consumables, officials said, would require analysis and consultation. A health ministry official, however, raised doubts about how far the govt could regulate hospital billing, saying hospitals, with health being a state subject and governed by the Clinical Establishments Act or other laws enacted by state govts.. The Centre's role, the official said, is largely confined to drug-price regulation through the National Pharmaceutical Pricing Authority.

Regulating individual components of hospital bills would be difficult, the official said, pointing out that hospitals charge package rates without providing detailed itemised bills.

Hospitals 'overcharging' is a malpractice: Govt to Supreme Court

New Delhi, Agency: Govt has admitted before Supreme Court the "malpractice" of hospitals charging patients high MRPs for medicines and consumables, and said it was conscious of the problem, examining it and devising appropriate interventions in consultation with all stakeholders.

In an affidavit filed in SC on the issue of capping prices of all medicines and medical consumables, chemicals and fertilisers ministry said that patients have a very low bargaining position with respect to hospitals, resulting in various malpractices. The affidavit noted the irony of India being home to companies making cheap drugs but patients here having to pay way above the manufacturing price, as well as patients being subjected to overcharging by hospitals.

"The Indian drug market is fairly competitive, with a large number of pharmaceutical compa-

nies in every drug segment, resulting in one of the lowest prices in the world. Ordinarily, where there is substantial competition, there is no need to regulate prices. However, by their very nature, health treatment and pharmaceutical products involve information and bargaining asymmetries between patients on the one hand, and retail pharmacies, hospital pharmacies, hospitals providing treatment and doctors on the other," the affidavit said.

The govt affidavit said a patient has a "very low bargaining position vis-a-vis the hospital, and the patient's knowledge of drugs, their substitutes and their prices is also very limited". These bargaining and information asymmetries result in various malpractices in the system despite strong competition among manufacturers, leading to the need for regulation, it said. Enumerating the steps taken by it to control the pricing of drugs, govt said ceiling prices for 935 scheduled formulations and retail prices of 3,881 new drugs have been fixed. Govt filed the affidavit on a plea filed by Dr Sanjay Kulshrestha, who referred to a Niti Aayog report and a 2020 statement of the then health minister Harsh Vardhan that expenditure on health pushed an estimated six crore families below the poverty line each year.

The affidavit said hospitals buy medicines from manufacturers who provide highest trade margin and then sell those medicines to patients at MRP, with margins ranging from 170% to 700% or more in the case of anti-cancer drugs.

"That another area of concern in the sector is the supply of consumables in hospitals, where margins of 100% to 1000% or more are prevalent, along with a tendency of hospitals to purchase consumables that have a high MRP and margin, with a low price to the distributor/hospital. Ordinarily, hospital supplies are included in the package cost for treatment of major diseases/ procedures under govt schemes/ insurance, and govt/ insurance agencies negotiate and fix the lowest rate for such packages.

MEA calls out UN report for saying Dawood Ibrahim's D-company India-based

New Delhi, Agency: India slammed a UN special rapporteur's report which described Pakistan-based gangster Dawood Ibrahim's D-company as an India-based criminal group. Pointing to "glaring inaccuracies" in the report, India warned that such incompetence caused tremendous harm to the global body.

First secretary in India's permanent mission to UN, Raghoo Puri, said the outfit and its chief were wanted in India in connection with the 1993 Mumbai blasts. "Let me correct it for the record. This individual fled India much before the 2003 listing, and it was during this period... that he was listed for being associated with Al Qaida and with Osama bin Laden," Puri said.

First secretary in India's permanent mission to UN, Raghoo Puri, was responding to a report by Ben Saul, the special rapporteur on the 'Promotion and Protection of Human Rights and Fundamental Freedoms while Countering Terrorism'.

"My delegation has been pointing out in other forums as well our serious concern at the unacceptable situation of the SR (special rapporteur) releasing reports with factual inaccuracies, while not being held accountable for them," Puri said. He said this presented member-states with a fait accompli, an unfortunate situation for an organisation already facing challenges to its legitimacy. "It is in this context that we would like to point out some particularly glaring inaccuracies as far as my country is concerned," Puri said.

Puri underlined that the report by Ben Saul said in 2003, the United Nations Security Council listed the chief of a criminal group, "the India-based D-Company", for association with Al Qaida.